राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात,संस्करण मंगलवार 04 जून 2024 वर्ष-7,अंक-131 पृष्ठ-08 मूल्य-01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पहला कॉलम

सुप्रीम कोर्ट ने विज्ञापन एजेंसियों द्वारा विज्ञापन जारी करने से पहले स्व-घोषणा अनिवार्य की

नई दिल्ली । उच्चतम न्यायालय ने रिट याचिका सिविल संख्या 645/2022-आईएमए एवं एएनआर बनाम यूओआई एवं ओआरएस मामले में अपने दिनांक 07.05.2024 के आदेश में निर्देश दिया कि सभी विज्ञापनदाताओं/विज्ञापन एजेंसियों को किसी भी विज्ञापन को प्रकाशित या प्रसारित करने से पहले एक स्व-घोषणा प्रमाणपत्र प्रस्तुत करना होगा। माननीय उच्चतम न्यायालय के निर्देश के बाद, सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने टीवी और रेडियो विज्ञापनों के लिए सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय (एमआईबी) के प्रसारण सेवा पोर्टल और प्रिंट एवं डिजिटल/इंटरनेट विज्ञापनों के लिए भारतीय प्रेस परिषद के पोर्टल पर एक नई सुविधा शुरू की है। विज्ञापनदाता/विज्ञापन एजेंसी के अधिकृत प्रतिनिधि द्वारा हस्ताक्षरित प्रमाणपत्र को इन पोर्टलों के माध्यम से प्रस्तुत करना होगा। पोर्टल 4 जून, 2024 से काम करने लगेगा। सभी विज्ञापनदाताओं और विज्ञापन एजेंसियों को 18 जून, 2024 या उसके बाद जारी/टेलीविजन प्रसारण/रेडियो पर प्रसारित/प्रकाशित होने वाले सभी नए विज्ञापनों के लिए स्व-घोषणा प्रमाणपत्र प्राप्त करना आवश्यक है। सभी हितधारकों को स्व-प्रमाणन की प्रक्रिया से परिचित होने के लिए पर्याप्त समय प्रदान करने के लिए दो सप्ताह का अतिरिक्त समय रखा गया है। वर्तमान में चल रहे विज्ञापनों को स्व-प्रमाणन की आवश्यकता नहीं है।

सोनिया गांधी बोलीं- उम्मीद है कि चुनावी नतीजे एग्जिट पोल से बिल्कुल विपरीत होंगे

नई दिल्ली । कांग्रेस संसदीय दल की प्रमुख सोनिया गांधी ने सोमवार को कहा कि उन्हें पूरी उम्मीद है कि लोकसभा चुनाव के असल परिणाम एग्जिट पोल के अनुमान से बिल्कुल विपरीत होंगे। सोनिया ने कहा कि हमें प्रतीक्षा करनी होगी। बस इंतजार कीजिए और देखिए। उन्होंने कहा कि हमें पूरी उम्मीद है कि एग्जिट पोल में जो दिखाया जा रहा है? नतीजे उसके बिल्कुल विपरीत होंगे। अधिकतर एग्जिट पोल में लोकसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) को प्रचंड बहुमत मिलने का पूर्वानुमान व्यक्त किया गया है।

सटीक चिकित्सा में नए युग की शुरुआत का लक्ष्य, 10,000 नमूने एकत्र किये

नई दिल्ली । वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर) ने अपनी अभूतपूर्व अनुदैर्ध्य स्वास्थ्य निगरानी परियोजना, फेनोम इंडिया-सीएसआईआर हेल्थ कोहोर्ट नॉलेजबेस (पीआई-चेक) के पहले चरण के सफल समापन की घोषणा की। इस महत्वपूर्ण उपलब्धि को यादगार बनाने के लिए, सीएसआईआर ने आज 3 जून को गोवा के राष्ट्रीय समुद्र विज्ञान संस्थान (एनआईओ) में एक विशेष कार्यक्रम फेनोम इंडिया अनबॉक्सिंग 1.0 का आयोजन किया। सीएसआईआर-इंस्टीट्यूट ऑफ जीनोमिक्स एंड इंटीग्रेटिव बायोलॉजी (आईजीआईबी) के निदेशक डॉ. सौविक मैती, सीएसआईआर-नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ ओशनोग्राफी (एनआईओ) के निदेशक डॉ. सुनील कुमार सिंह, सीएसआईआर-आईजीआईबी के वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक डॉ. शांतनु सेनगुप्ता, सीएसआईआर के वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक डॉ. राजेंद्र प्रसाद सिंह और सेंटर ऑफ एक्सीलेंस फॉर इंटेलिजेंट सेंसर्स एंड सिस्टम्स के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. वीरेन सरदाना उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों में शामिल थे।

दूरदर्शन पेरिस ओलंपिक खेल और विंबलडन 2024 सहित वैश्विक अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजनों का प्रसारण करेगा

नई दिल्ली । प्रसार भारती ने आज घोषणा की है कि वह वेस्टइंडीज और अमेरिका में आयोजित होने वाले टी-20 विश्व कप का प्रसारण 2 जून से डीडी फ्री डिश प्लेटफॉर्म पर करेगा। दूरदर्शन टी-20 विश्व कप के उच्च स्तरीय कवरेज के बाद कई प्रमुख वैश्विक अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजनों का प्रसारण करेगा। इसमें पेरिस ओलंपिक खेल 2024 (26 जुलाई-11 अगस्त 2024), पेरिस पैरालंपिक खेल (28 अगस्त- 8 सितंबर 2024), भारत बनाम जिम्बाब्वे (6 जुलाई -14 जुलाई 2024) और भारत बनाम श्रीलंका (27 जुलाई -7 अगस्त 2024) के बीच अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट श्रृंखला और फ्रेंच ओपन 2024 (8 और 9 जून 2024) और विंबलडन 2024 (13 और 14 जुलाई 2024) के महिला और पुरुष फाइनल का लाइव/ स्थगित लाइव और मुख्य आकर्षण शामिल हैं। यह घोषणा प्रसार भारती के सीईओ गौरव द्विवेदी ने आज नई दिल्ली में मीडिया के साथ एक बातचीत के दौरान की। इस बातचीत के दौरान सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय में सचिव संजय जाजू ने प्रसार भारती के चेयरमैन नवनीत कुमार सहगल, प्रसार भारती के सीईओ गौरव द्विवेदी और दूरदर्शन की महानिदेशक कंचन प्रसाद के साथ मिलकर टी-20 विश्व कप के लिए सुखविंदर सिंह द्वारा गाया गया विशेष गीत 'जज्बा' लॉन्च किया। सचिव ने प्रसिद्ध स्टोरी टेलर नीलेश मिश्रा की आवाज में कहे गए भव्य टी-20 इवेंट का प्रोमो भी लॉन्च किया।

लोकसभा सचिवालय ने 18वीं लोकसभा के सदस्यों का स्वागत करने के लिए तैयारी शुरू की

नई दिल्ली ।

लोकसभा सचिवालय ने नवनिर्वाचित सांसदों के पेपरलेस और तकनीक पर आधारित पंजीकरण की तैयारी शुरू कर दी है। संसद में डिजिटल पंजीकरण डेस्क स्थापित किए गए हैं। स्थापित प्रोटोकॉल के अनुसार 5 जून से नवनिर्वाचित सांसदों के पंजीकरण की प्रक्रिया संसद भवन परिसर में शुरू होगी, जो 14 जून तक चलेगी। लोकसभा सचिवालय की तरफ से जारी एक नोट में कहा, सचिवालय ने 04।06।2024 को दोपहर 2 बजे से पंजीकरण शुरू करने की व्यवस्था की है और यह प्रक्रिया 5 से 14 जून 2024 को सुबह 8 बजे से रात 8 बजे तक चालू रहेगी, जिसमें शनिवार और रविवार भी शामिल हैं। इससे पहले, नवनिर्वाचित सदस्यों का पंजीकरण संसद के पुराने भवन (अब संविधान सदन) में होता था। इस बार, सचिवालय ने संसदीय सौध में यह व्यवस्था की है। लोक सभा सचिवालय के मुताबिक, संसदीय सौध में बैंक्वेट हॉल और प्राइवेट डाइनिंग रूम (पीडीआर) में 10-10 कंप्यूटरों के साथ कुल 20 डिजिटल पंजीकरण काउंटर स्थापित किए गए हैं। यह काउंटर एंड-टू-एंड पंजीकरण प्रक्रिया के लिए स्थापित किए गए हैं। प्रत्येक काउंटर पर डबल साइडेड स्क्रीन वाला डेस्कटॉप, प्रिंटर कम स्कैनर, बायोमेट्रिक और हस्ताक्षर प्राप्त करने के लिए एक टैब लगा हुआ है। फोटो खींचने और फेशियल रिकोगनिशन के लिए अलग-अलग काउंटर हैं। इसके अतिरिक्त नवनिर्वाचित सदस्यों के लिए एसबीआई बैंक खाता खोलने, स्थायी पहचान पत्र, केंद्र सरकार स्वास्थ्य योजना कार्ड जारी करने की व्यवस्था भी की गई है।

अभी भी नहीं लौटे 7,755 करोड़ रुपये मूल्य के 2000 हजार रुपये के नोट

नई दिल्ली । भारतीय रिजर्व बैंक ने सोमवार को कहा कि 2000 हजार रुपये मूल्य के 97.82 फीसदी नोट बैंकों में वापस आ गए हैं। चलन से हटाये गए सिर्फ 7,755 करोड़ रुपये मूल्य के नोट अभी भी लोगों के पास हैं। रिजर्व बैंक ने 19 मई 2023 को 2000 रुपये मूल्य के बैंक नोट को चलन से वापस लेने की घोषणा की थी। चलन में 2000 रुपये मूल्य के बैंक नोट का कुल मूल्य 19 मई, 2023 को कारोबार की समाप्ति पर 3.56 लाख करोड़ रुपये था। यह 31 मई, 2024 को कारोबार की समाप्ति पर घटकर 7,755 करोड़ रुपये रह गया। आरबीआई ने कहा कि ये नोट अब भी लीगल टेंडर बने रहेंगे। 2000 के नोट 2016 में हुए नोटबंदी के बाद सर्कुलेशन में आए थे। बैंकों में नोट बदलने या जमा करने की आखिरी तारीख 7 अक्टूबर 2203 थी। अब सिर्फ आरबीआई के 19 इश्यू ऑफिस में नोट बदले या जमा किए जा रहे हैं। केंद्रीय बैंक ने बयान में कहा, इस प्रकार 19 मई, 2023 तक चलन में 2000 रुपये के 97.82 प्रतिशत बैंक नोट बैंकिंग सिस्टम में वापस आ गए हैं। 7 अक्टूबर 2023 तक 2000 रुपये के बैंक नोट को जमा करने और/या बदलने की सुविधा देश की सभी बैंक ब्रांच में उपलब्ध थी। आरबीआई के ऑफिसों में 9 अक्टूबर, 2023 से व्यक्तियों और संस्थाओं से उनके बैंक अकाउंट में जमा करने के लिए भी 2000 रुपये के नोट स्वीकार कर रहे हैं। इसके अलावा, लोग अपने बैंक अकाउंट में जमा करने के लिए देश के किसी भी पोस्ट ऑफिस से आरबीआई के किसी भी ऑफिस में भारतीय डाक के माध्यम से 2000 रुपये के बैंक नोट भेज रहे हैं। बैंक नोट को जमा/बदलने वाले **RBI** के 19 ऑफिस अहमदाबाद, बेंगलुरु, बेलापुर, भोपाल, भुवनेश्वर, चंडीगढ़, चेन्नई, गुवाहाटी, हैदराबाद, जयपुर, जम्मू, कानपुर, कोलकाता, लखनऊ, मुंबई, नागपुर, नई दिल्ली, पटना और तिरुवनंतपुरम में हैं।

सिविल सेवक राजनीतिक व्यवस्थाओं से अनुग्रहित नहीं हो सकते: उपराष्ट्रपति

- उपराष्ट्रपति ने आईएएस 2022 बैच के सहायक सचिवों को संबोधित किया

नई दिल्ली ।

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कहा कि सिविल सेवकों को हमेशा पक्षपातपूर्ण दृष्टिकोण से हटकर सोचना चाहिए। उपराष्ट्रपति एन्क्लेव में आज आईएएस 2022 बैच के सहायक सचिवों को संबोधित करते हुए धनखड़ ने इस बात पर जोर दिया कि सिविल सेवक राजनीतिक व्यवस्थाओं से अनुग्रहित नहीं हो सकते हैं। उपराष्ट्रपति ने भारतीय नौकरशाही की क्षमता और योग्यता को स्वीकार करते हुए उपस्थित अधिकारियों से राष्ट्रवादी व संघवादी दृष्टिकोण अपनाने और राष्ट्र के हित को हमेशा सर्वोच्च रखने तथा कानून के शासन को बनाए रखने का आह्वान किया। धनखड़ ने सिविल सेवकों से उच्चतम नैतिक सिद्धांतों को बनाए रखने का आग्रह किया। उन्होंने कहा, आप बदलाव के वाहक हैं। आप गुणवत्तापूर्ण शासन में महत्वपूर्ण हितधारक और त्वरित विकास के पथप्रदर्शक हैं। धनखड़ ने कहा कि सिविल सेवा पहले से कहीं अधिक प्रातिनिधिक है। उन्होंने कहा कि इसमें सभी सामाजिक वर्गों, विशेष रूप से कमजोर, हाशिए के लोगों और वंचित पृष्ठभूमि का भी प्रतिनिधित्व दिखता है। धनखड़ ने कहा कि आज भारत आशा और

संभावनाओं से भरा हुआ है और निवेश के लिए सबसे पसंदीदा गंतव्य है।

उन्होंने कहा कि युवाओं के लिए विभिन्न अवसर दिन-प्रतिदिन बढ़ रहे हैं'। धनखड़ ने भारत में डिजिटल क्रांति की प्रशंसा करते हुए कहा, हमारी उपलब्धियों ने दुनिया को चौंका दिया है....विश्व संस्थाएं जो हमें सलाह देती थीं, वे अब अन्य देशों को भारत के रास्ते पर चलने की सलाह दे रही हैं उपराष्ट्रपति ने उपस्थित अधिकारियों से यह भी अपील की कि वे कभी भी सीखना बंद न करें और अपने कौशल को अपडेट करते रहें। उन्होंने कहा, आप लोगों को संविधान द्वारा विशेष रूप से बदलाव लाने के लिए नियुक्त किया है।

लोकसभा चुनाव 2024 : सवेरे 9 बजे से मिलने लगेंगे रुझान

नई दिल्ली ।

लोकसभा चुनाव के लिए वोटों की गिनती से पहले तैयारियां पूरी हो गई हैं। सवेरे 8 बजे से 8।30 बजे तक पोस्टल मतों की गिनती होगी फिर ईवीएम खुलेंगी। 9 बजे से रुझान मिलने लगेंगे। 80 दिन की प्रक्रिया के बाद 51 पार्टियों के 8360 उम्मीदवारों की किस्मत का फैसला होगा। 7 चरणों में 543 सीटों पर हुए मतदान के बाद मंगलवार को लोकसभा चुनाव के नतीजे आ रहे हैं।

इसके साथ ही साफ हो जाएगा कि देश के सिंहासन पर कौन काबिज होगा। एक तरफ एनडीए है तो दूसरी तरफ इंडिया गठबंधन, हालांकि एग्जिट पोल्स ने एक बार फिर मोदी सरकार की वापसी का अनुमान जताया है। लोकसभा चुनाव के साथ आंध्र प्रदेश और ओडिशा विधानसभा चुनाव के नतीजे भी घोषित होंगे। एग्जिट पोल्स के पोल ऑफ पोल्स के आकलन के मुताबिक एनडीए को 365 सीटें, इंडिया गठबंधन को 146 सीटें और अन्य को 32 सीटें मिलने की संभावना है। लोकसभा की कुल 543 सीटें हैं और बहुमत के लिए 272 सीटें जरूरी हैं।

ताज एक्सप्रेस की 3 बोगियों में लगी आग, सभी यात्रियों को सुरक्षित निकाला गया

नई दिल्ली।

दिल्ली के सरिता विहार थाने के करीब ताज एक्सप्रेस में आग की लपटें देखी गईं। आग लगने की सूचना मिलने पर फौरन ही दमकल गाड़ियां घटना स्थल पर पहुंच आग पर काबू पाया। इस बीच यात्रियों ने आग लगी बोगियों से दूसरी बोगियों में जाकर अपने आपको सुरक्षित किया। इस घटना में किसी के हताहत होने की कोई खबर नहीं है। दिल्ली के सरिता विहार के पास ताज एक्सप्रेस की 3 बोगियों में आग लग गई। ट्रेन में आग लगने की सूचना मिलने पर 6 दमकल गाड़ियां मौके पर पहुंची। डीसीपी रेलवे ने जानकारी देते हुए बताया कि ट्रेन में आग लगने की घटना में किसी यात्री को कोई चोट या नुकसान नहीं पहुंचा है। समय रहते जहां सभी यात्रियों को सुरक्षित निकाल लिया गया वहीं आग पर भी काबू पा लिया गया है। इस संबंध में रेलवे के डीसीपी केपीएस मल्होत्रा का कहना था कि 3 जून को शाम के करीब 4.41 बजे डीडी 43 ए पर एचएनआरएस को ट्रेन में आग लगने की सूचना पीसीआर के जरिए मिली थी। इस सूचना के बाद आईओ अपोलो अस्पताल के पास घटनास्थल पर पहुंच गए। घटनास्थल से बताया गया कि ताज एक्सप्रेस ट्रेन की तीन बोगियों में आग की लपटें उठती देखी जा रही हैं। इसके बाद ही ट्रेन को रोका गया और सभी यात्रियों को सकुशल ट्रेन से उतार लिया गया। इसमें कोई भी हताहत नहीं हुआ है। आग लगी बोगियों से यात्री दूसरे डिब्बों में चले गए थे या फिर ट्रेन से उतर गए। आग कैसे और क्यों लगी इस पर जांच के बाद ही रेलवे द्वारा कार्रवाई की जा सकेगी।

रक्षा सेवा स्टाफ कॉलेज, वेलिंगटन में 80वां स्टाफ कोर्स शुरू

नई दिल्ली ।

रक्षा सेवा स्टाफ कॉलेज (डीएसएससी), वेलिंगटन (तमिलनाडु) में आज 80वां स्टाफ कोर्स शुरू हुआ। इस कोर्स को भारतीय सेना, नौसेना और वायु सेना के मिड-करियर अधिकारियों को प्रशिक्षित करने और उन हें कुशल स्टाफ अधिकारी और भावी सैन्य नेता बनाने के साथ-साथ एकीकृत त्रि-सेवा सेवा में प्रभावी ढंग से काम करने के लिए आवश्यक ज्ञान और कौशल से युक्त करने के लिए तैयार किया गया है। इस पाठ्यक्रम के दौरान 26 मित्र देशों के 38 अधिकारियों सहित 480 छात्र अधिकारी 45 सप्ताह से अधिक की अवधि के दौरान प्रत्येक सेवा के कामकाज के साथ-साथ सामरिक और परिचालन स्तर पर युद्ध दर्शन की गहरी समझ भी प्राप्त करेंगे। छात्र अधिकारियों को संबोधित करते हुए लेफ्टिनेंट जनरल वीरेंद्र वत्स, कमांडेंट डीएसएससी ने युद्ध की गतिशील प्रकृति और चरित्र, वीयूसीए विश्व की विशेषताओं के साथ-साथ इस बारे में भी प्रकाश डाला है कि डीएसएससी द्वारा छात्र अधिकारियों को भविष्य की चुनौतियों का सामना करने के लिए कैसे सशक्त बनाया जाएगा। उन्होंने सेना, नौसेना और वायु सेना के बीच समन्वय और एकीकरण की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर देते हुए आधुनिक युद्ध में सहज सहयोग को सुनिश्चित करने के लिए प्रत्येक सेवा की विशिष्ट क्षमताओं को समझने के महत्व पर जोर दिया। कमांडेंट ने छात्र अधिकारियों के लिए उभरती हुई प्रौद्योगिकियों और भारत के सैन्य और सुरक्षा परिदृश्य पर प्रभाव डालने वाले भू-राजनीतिक मुद्दों की मजबूत समझ विकसित करने की जरूरत पर भी प्रकाश डाला। यह जागरूकता अधिकारियों को उचित निर्णय लेने और सैन्य रणनीतियों में प्रभावी रूप से योगदान देने में सक्षम बनाएगी।

एग्जिट पोल्स: देश की हॉट सीट्स पर कई दिग्गजों की हो सकती है हार

-अमेठी, रायबरेली, कन्नौज समेत कई सीटें बनी चर्चा का विषय

नई दिल्ली।

लोकसभा चुनाव 2024 के कल नतीजे आने शुरु हो जाएंगे। नतीजों से पहले एग्जिट पोल्स की खूब चर्चा हो रही है। सभी एग्जिट पोल्स ने एनडीए की सरकार बनने का अनुमान लगाया है। ज्यादातर सर्वे में कहा गया है कि बीजेपी को करीब 300 सीटें हासिल हो सकती हैं। कुछ एग्जिट पोल्स में देश की कई हॉट सीट्स के नतीजे को लेकर भी अनुमान जाहिर किया है।

अमेठी, रायबरेली, कन्नौज समेत देश की कई सीटें हैं, जिन पर लोगों की नजरें लगी हुई हैं। सर्वे एजेंसी स्कूल ऑफ पॉलिटिक्स ने देश की सभी सीटों का अनुमान जाहिर किया है। इस सर्वे में अमेठी सीट से केंद्रीय मंत्री स्मृति इरानी को झटका लग सकता है। अनुमान लगाया गया है कि वह कांग्रेस के उम्मीदवार किशोरी लाल शर्मा से हार सकती हैं। इसके अलावा कांग्रेस के राहुल गांधी रायबरेली जो कि गांधी परिवार का गढ़ है यहां से वह जीत सकते हैं। इससे पहले 2019 में राहुल अमेठी से हार गए थे, जिसके बाद उन्होंने इस बार रायबरेली से चुनाव लड़ा है। इन दो सीटों के अलावा बीजेपी को कन्नौज से झटका लग सकता है। यहां बीजेपी उम्मीदवार सुब्रत पाठक के मुकाबले अखिलेश यादव के जीतने का अनुमान है। यूपी के पूर्वांचल की आजमगढ़ लोकसभा सीट पर धर्मेंद्र यादव और बीजेपी के दिनेश लाल यादव उर्फ निरहुआ के बीच मुकाबला था। अनुमान है कि यहां भी इंडिया गठबंधन बाजी मार सकता है। अगर राजस्थान की अलवर सीट पर नजर डालें तो यहां से बीजेपी के उम्मीदवार केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव चुनाव लड़ रहे हैं वह जीत सकते हैं। इसके अलावा मनोहर लाल खट्टर करनाल लोकसभा सीट से जीतने का अनुमान लगाया है। उन्होंने हाल ही में राज्य के सीएम पद से इस्तीफा दिया था और चुनाव में उतरे हैं। कन्हैया कुमार और मनोज तिवारी की फाइट से नॉर्थ ईस्ट दिल्ली सीट चर्चा में बनी हुई है। एग्जिट पोल में यहां से मनोज तिवारी जीत रहे हैं। वहीं मध्य प्रदेश की छिंदवाड़ा सीट कांग्रेस बुरे वक्त में भी जीतती रही है, लेकिन एग्जिट पोल के अनुसार यहां इस बार कमलनाथ के बेटे नकुलनाथ हार सकते हैं और बीजेपी को जीत मिल सकती है। इसके अलावा एग्जिट पोल में कुछ और चौंकाने वाली भविष्यवाणियां की गई हैं। सर्वे के मुताबिक हिमाचल की मंडी लोकसभा सीट से कंगना रनौत जीत सकती हैं। वहीं बारामती लोकसभा सीट से शरद पवार का जलवा खत्म हो सकता है और उनकी बेटी सुप्रिया सुले को हराकर अजित पवार की पत्नी जीत सकती हैं। इसके अलावा तिरुअनंतपुरम से कांग्रेस के दिग्गज नेता शशि थरूर भी हार सकते हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

सत्तारूढ़ की वापसी

मतदान का लंबा सफर खत्म होने के बाद अब मतगणना की शुरुआत हो चली है। एक ओर, जहां एग्जिट पोल की चर्चा तेज है वहीं दूसरी ओर, दो राज्यों- अरुणाचल प्रदेश और सिक्किम विधानसभा चुनाव के नतीजे भी आ गए हैं। अरुणाचल प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी ने फिर से जीत दर्ज की है, तो वहीं सिक्किम में मजबूत क्षेत्रीय दल सिक्किम क्रांतिकारी मोरचा अर्थात एसकेएम ने लगातार दूसरी बार बड़ी जीत दर्ज की है। इन दोनों राज्यों में लोकसभा सीटों के लिए वोटों की गिनती 4 जून को होगी, मगर इनमें विधानसभा चुनावों के लिए वोटों की गिनती पहले कर दी गई है, क्योंकि वर्तमान विधानसभा का कार्यकाल 2 जून को समाप्त हो रहा था। एक खास बात यह भी है कि अरुणाचल प्रदेश के 60 विधानसभा क्षेत्रों में से दस में मतदान की जरूरत नहीं पड़ी थी। मुख्यमंत्री पेमा खांडू और उनके डिप्टी चोवा मीन सहित 10 सत्तारूढ़ उम्मीदवारों ने अपनी-अपनी सीट निर्विरोध जीत ली थी। यह एक संकेत है कि दो बार सत्ता में रहने के बावजूद अरुणाचल प्रदेश में भाजपा नेताओं की लोकप्रियता में कोई कमी नहीं आई है। दूसरी ओर, विपक्ष बहुत मामूली सीटों के साथ अपनी साख बचाने की कोशिश करता नजर आ रहा है। वैसे अरुणाचल में भाजपा जितनी मजबूत है, उससे कहीं ज्यादा मजबूत सिक्किम में एसकेएम है। इस क्षेत्रीय दल ने विपक्ष का लगभग सफाया कर दिया है। सिक्किम में कांग्रेस या भाजपा के लिए कोई आधार नहीं बचा है, वहां विपक्षी दलों को अपनी यात्रा शून्य से शुरू करनी पड़ेगी। राज्य में सिक्किम क्रांतिकारी मोरचा की लोकप्रियता का अध्ययन होना चाहिए। आमतौर पर क्षेत्रीय दल एक चुनाव जीतने के बाद दूसरा चुनाव बुरी तरह हार जाते हैं, पर सिक्किम में सत्तारूढ़ पार्टी का और मजबूती के साथ उभरना दूसरी पार्टियों के लिए सीखने का मौका है। ठीक इसी तरह से अरुणाचल प्रदेश में भाजपा की जीत अध्ययन का विषय है। अरुणाचल प्रदेश के पेमा खांडू और सिक्किम के प्रेम सिंह तमांग की गिनती मजबूत क्षत्रपों में होनी चाहिए। ये छोटे-छोटे राज्यों के लोकप्रिय मुख्यमंत्री हैं, जिन्होंने जनता की सेवा से अपने लिए रास्ता तैयार किया है। अब सवाल यह उठता है कि अरुणाचल प्रदेश और सिक्किम के विधानसभा नतीजों से क्या संकेत लिया जाए? पहला संकेत तो यही है कि भाजपा के प्रति उतनी नाराजगी नहीं है, जितनी विपक्षी दलों को लग रही थी। दूसरा संकेत यह है कि क्षेत्रीय स्तर पर जो मजबूत नेता हैं, उनको हिलाने में राष्ट्रीय पार्टियां अब बहुत सक्षम नहीं रहीं। क्षेत्रीय स्तर पर जो नेता अपना मोरचा सही ढंग से संभाल रहे हैं, उन्हें जीतने में ज्यादा परेशानी नहीं हो रही है। तीसरा संकेत, अगर कांग्रेस अपना खेमा मजबूत रख पाती, तो पूर्वोत्तर में इतनी कमजोर न होती। एक समय था, जब पेमा खांडू कांग्रेस में हुआ करते थे, उनके जैसे जमीनी आधार पर मजबूत नेता अगर पार्टी छोड़ जाएंगे, तो जाहिर है, पार्टी को फिर अपनी जमीन तैयार करने के लिए बहुत मशक्कत करनी पड़ेगी। चौथा संकेत, भाजपा के लिए अभी अनेक राज्य बड़ी चुनौती हैं। वह अरुणाचल प्रदेश में जीत गई है, पर सिक्किम विधानसभा में भी उसके पास सीटें होतीं, तो ज्यादा बेहतर होता। एक मजबूत राष्ट्रीय पार्टी की व्यापक क्षेत्रीय उपस्थिति अनिवार्य है। भाजपा हो या कांग्रेस देश की तमाम विधानसभाओं में उनकी मौजूदगी के गहरे निहितार्थ होंगे। बहरहाल, हमें लोकसभा चुनावों के नतीजों का इंतजार करना चाहिए।

आज का राशिफल

मेष पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। रोजी रोजगार की दिशा में सफलता के योग हैं। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। कोई महत्वपूर्ण निर्णय न लें। ईश्वर के प्रति आस्था बढ़ेगी।

वृषभ जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। पारिवारिक जनों से पीड़ा मिलने के योग हैं। वाणी की सौम्यता व्यर्थ के विवादों से आपको बचा सकती हैं।

मिथुन दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। किसी अभिन्न मित्र से मिलाप होगा।

कर्क राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। किसी अभिन्न मित्र से मिलाप होगा।

सिंह दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। धन हानि की संभावना है। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें।

कन्या व्यावसायिक योजना सफल होगी। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। धन हानि की संभावना है। व्यर्थ क विवाद में न पड़ें।

तुला व्यावसायिक योजना सफल होगी। जीवनसाथी का सहयोग व सानिय मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

वृश्चिक जीवनसाथी का सहयोग व सानिय मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। रोजी रोजगार की दिशा में सफलता के योग हैं। धार्मिक प्रवृत्ति में वृद्धि होगी।

धनु पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। आय के नए स्त्रोत बनेंगे। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। वाणी की सौम्यता व्यर्थ के विवादों से आपको बचा सकती है। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

मकर राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। व्यर्थ के विवाद रहेंगे।

कुम्भ आर्थिक उन्नति के योग हैं। मांगलिक कार्यो में हिस्सेदारी लेंगे। नेत्र विकार की संभावना है। संतान के कारण चिंतित रहेंगे। प्रणय संबंधों में कटुता आ सकती है। रोजी रोजगार की दिशा में उन्नति होगी।

मीन व्यावसायिक दिशा में किए गए प्रयास सफल होंगे। संतान के कारण तनाव हो सकता है। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। अनावश्यक कष्टों का सामना करना पड़ेगा। धन लाभ की संभावना है। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा।

ध्यान पर घमासान क्यूँ

(लेखक-विनोद तकियावाला)

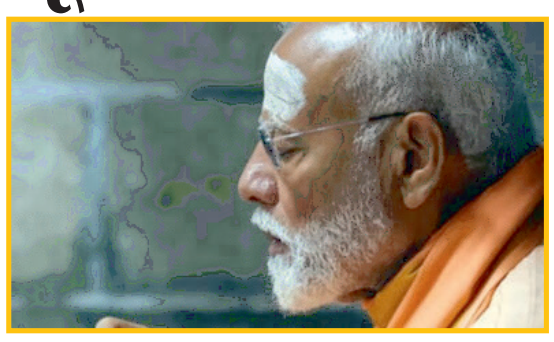

वैश्विक राजनीतिक पटल पर एक बार फिर से भारत अपना नया इतिहास लिखने जा रहा है। यूँ तो भारत हमेशा ही सम्पूर्ण विश्व में अपनी पहचान व ज्ञान के केन्द्र बिन्दू में रहा है। इन दिनो पर्यावरण वे बदलते परिवेश व प्रजातंत्र के महापर्व-18वें लोक सभा व 4 रा राज्यों उड़िशा,आन्द्राप्रदेश अरुणाचल व सिक्कम में विधान सभा चुनाव की गर्मागर्म बहस हो रही है। 18वें लोक सभा के साधारण चुनाव 24 के सातवें व अन्तिम चरण के सम्पन्न होने के बाद राष्ट्रीय व अंतराष्ट्रीय राजनीतिक विषलेषज्ञों का ध्यान 4 जून को लोकसभा व 4राज्यों केविधान सभा के चुनाव के परिणामों पर टिकी थी,लैकिन सातवें चरण के चुनाव प्रचार अभियान के समाप्त होते ही,प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी नें अन्तराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त कन्या कुमारी स्थिति स्वामी विवेकानंद शिला पर 45 घंटे ध्यान पर बैठ गए। मोदी के ध्यान पर विपक्ष ने चुनाव आयोग में की शिकायत की है। मोदी के ध्यान पर विपक्ष ने मचाया बवाल है। कांग्रेस का कहना है कि ये चुनाव आचार संहिता का सीधा-उल्लंघन है। आप को पता होगा क कि जब चुनाव की घोषणा होती। मॉडल कोड ऑफ कंडक्ट जारी किया जाता है। जिनका सभी पार्टियों, नेताओं व उम्मीदवारों को पालन करना होता है। उन्हीं नियमों से एक नियम कहता है कि सभी दलों और उम्मीदवारों को पूरी ईमानदारी से उन सभी कार्यों को नहीं करना चाहिए जो कानून के मुताबिक भ्रष्ट आचरण या अपराध माने जाते हैं। जैसे मतदाताओं को रिश्वत देना, डराना-धमकाना,किसी और के बदले मतदान करवाना,मतदान केंद्रों के 100 मीटर के भीतर प्रचार करना,मतदान खत्म होने से 48 घंटों की अवधि के दौरान सार्वजनिक बैठकें आयोजित करना,और मतदाताओं को पोलिंग बूथ तक लाना-ले जाना। जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा126 के अनुसार चुनाव के संबंध में कोई भी सार्वजनिक बैठक करना,जुलूस निकालना और उसमें भाग लेना प्रतिबंधित है। इसके साथ ही सिनेमा और टेलीविजन या अन्य उपकरणों की मदद से जनता के सामने चुनाव संबंधी सामग्री प्रदर्शित भी नहीं किया जा सकता है। इसके साथ ही मतदान क्षेत्र में वोटिंग से पहले 48 घंटे की अवधि के दौरान जनता को आकर्षित करने के लिए कोई कार्यक्रम आयोजन करके जनता तक चुनाव सामग्री पहुंचाना प्रतिबंधित है। तब से अब तक चुनाव प्रचार करने का काफी तरीका बदल गया है। अब कई चरणों में चुनाव होते हैं और जिस क्षेत्र में वोटिंग होनी होती है वहां पर कुछ घंटे पहले चुनाव प्रचार खत्म हो जाता है लेकिन दूसरी जगहों पर चुनाव प्रचार चलता रहता है। यहां वोटिंग के दौरान भी रैलियों का प्रसारण होता रहता है। कन्याकुमारी में तो19 अप्रैल को ही चुनाव सम्पन्न हो गई है। ऐसे में पीएम मोदी कन्याकुमारी में ध्यान कर रहे हैं। ऐसे में अब पीएम मोदी ध्यान के दौरान जनप्रतिनिधित्व अधिनियम,1951की धारा126और आचार संहिता का उल्लंघन नहीं कर रहे हैं। आप को याद दिलाना चाहूँगा कि मोदी ने 2019 में लोकसभा चुनाव के आखिरी चरण से ठीक पहले केदारनाथ में इसी तरह का ध्यान किया था,उस समय भोदी के चुनाव क्षेत्र वाराणसी में मतदान होना था। तब लगभग सभी विपक्षी दलों ने चुनाव आयोग से शिकायत की थी और इसे छद्म प्रचार करार दिया था। हालांकि,चुनाव आयोग ने पीएम की ध्यान योजना पर रोक लगाने से इनकार कर दिया। बस क्या सभी विपक्षी दलों को एक नया मुद्दा मिल गया। मोदी के ध्यान से सियासी मायने निकाले जाने लगे। राजनीतिज्ञों का कहना है कि राजनीति व सियासत हर समय अपने रंग-ढंग बदलती रहती है। इस बार के लोकसभा चुनाव में यह बात सटीक बैठती हुई दिखी रही है। सर्वविदित रहे कि 19 अप्रैल से चुनाव प्रराम्भ हो गई जो सात चरणों के साथचुनाव की प्रक्रिया अपने अंतिम चरण मे समाप्त हो गई है। इस बार चुनावी भाषण व रेली के दौरान प्रत्येक चरणों में राजनेताओं के मुँह से भारतीय मतदाताओं को नए-नए शब्द सुनने को मिले। पहले चुनाव में जो लड़ाई जमीन पर लड़ी जाती है,जनता के मुद्दों पर लड़ी जाती है खास कर 2014 से वह लड़ाई अब मंदिर,मस्जिद,हिंदू, मुसलमान होते हुए स्वयं भू परमात्मा व उनके विशेष दूत तक पहुंच गई है। पार्टी व उनके अंधभक्ति के समर्थकों को मोदी मे परमात्मा व भगवान का विशेष दूत दिखता है। 18वें लोक सभा व कुछ राज्यों के विधान सभा सम्पन्न होने के वाद भी चुनाव के परिणाम से पहले तकरार... वाक्य युद्ध छिड़ गई है। अगर आप ने भाजपा के नेताओं व बयान वीरों के ब्यान सुने हो तो वे लोग खुल कर कह रहे थे कि मोदी स्वयं भगवान है। वह कोई अवतारी महापुरुष है। स्वयं भगवान ने उनको इस पर धरती पर कुछ विशेष कार्य करने के लिए भेजा है। मोदी जी देश की 140 करोड़ जनता की सेवा करने के लिए नर रूप नारायण अवतरित हुए हैं। भाजपाई नेताओं ने माना है कि पीएम मोदी एकदम भगवान की तरह हैं। वह एक अवतार हैं। खास कर अंधभक्तों का मानना है कि 'मोदी यह व्यक्ति नहीं है। वह एक देवीय शक्ति है। आजकल के विपक्षी दलों के नेता पीएम मोदी को समझ नहीं सकते हैं। उनकी सोच इन सब नेताओं से आगे है। जहां से वे सोचना शुरू करते हैं,सब नेताओं की सोच वहां तक खत्म हो चुकी होती है। यदि वो तीसरी बार प्रधानमंत्री बनेंगे तो उसके लिए पोजिशनिंग कर रहे हो। क्योंकि ये लगभग माना जा रहा है कि वो एनडीए गंठबंधन निकाल लेंगे। अब राष्ट्रपति तो वो नहीं बनेंगे और राष्ट्रपिता की पद खाली नहीं है। तो ऐसे में राष्ट्रप्रभु या राष्ट्र परमात्मा की जगह खाली बचती है। क्योंकि स्वंय कह भी चुके हैं कि भाई अपना क्या है,अपन तो फकीर है,किसी दिन उठेंगे झोला उठाएंगे और चल देंगे। वैसे भी इस देश में साधु-संतों और फकीरों को भगवान मानकर पूजा करने की एक पुरानी परंपरा है। देश में एक बहुत बड़ा वोट बैंक हिंदूओं का है,जो संतों और भगवान में बहुत विश्वास रखता है। जो राम मंदिर का श्रेय मोदी को देता है। वही दूसरी ओर विपक्षी राहुल गांधी,अरविंद केजरीवाल ममता आदि जैसे नेता उनकी इस बात का पूरा मखौल उड़ा रहे हैं। लैकिन इससे मोदी के वोटरों पर कोई असर नहीं पड़ने वाला है। उनके जो समर्थक है उन्हे तो पहले से ही अंधभक्त ब्राण्ड लगा हुआ है। भक्त तो अपने भगवान के ही होते हैं। वे पहले से मोदी को भगवान मान चुके है। जिनकी वजह से वे पिछले दो चुनाव में बड़े मतों के साथ जीते थे। वैसे भी मोदी मार्केटिंग अच्छी करते हैं। वे भोली भाली जनता को अपनी वाक्य पट्टता से मुख्य मुद्दे से ध्यान हटाने महारत हासिल है। मोदी के ध्यान पर मची घमासन पर पक्ष-विपक्ष के मध्य छिड़ी बहस रुकने का नाम नहीं ले रही है। ऐसे में मैने सर्वोच्च न्यायालय के वरिष्ट व अनुभवी अधिवक्ता डा .0 ए 0 पी0 सिंह के सम्पर्क कर कानुनी बारिकों को जानने की कोशिस की है। मेरी व डा0 ए0 पी सिंह के बीच बातचीत के दौरान बताया कि *देखिए खबरीलाल जी हमारा देश एक धर्म निरपेक्ष देश है, हमारा संविधान अपने नागरिकों धर्म व पूजा की पद्धिति को अपनाने की स्वतंत्रता दी है। जहाँ तक पूजा पद्धिति अपनाने की बात हो वह आप की श्रद्धा व आस्था पर निंभर करता है कि अपने आराध्य व देवी देवता- भगवान को कैसे मानता है। जहाँ तक प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के ध्यान का प्रशन है। तो मेरा मानना है कि हम व आप भारत जैसी पवित्र भुमि में पैदा हुए है। जिस घरती पर-राम कृष्ण, नानक,बुद्ध-महाबीर,कबीर आदि महान संतो ऋषि मुनियो ने जन्म ही नहीं लिया बल्कि ध्यान का मार्ग अपना कर अमर हुए बल्कि मानव जाति को जीवन जीने के गरु रहस्यो सें अवगत कराया है। ध्यान साधना तो हम सभी को प्रत्येक दिन करना चाहिए, साधना व ध्यान से नई ऊर्जा -नई स्पपूर्णा नई उंमग हमें मिलती है। मोदी जी 45 घंटे का ध्यान कर कोई गुनाह नही किया है। वे देश प्रधान मंत्री है - जहाँ तक उनके ध्यान पर छिडी वाक्य युद्ध का प्रशन है। उनके चाहने वालों की हमेशा जिज्ञासा रहती है। उनके प्रत्येक गति विधियों पर नजर बनाये रखती है। हो भी क्यूँ नही। मैं एक प्रार्थना कर रहा हूँ कि ईश्वर अल्लाह तेरो नाम,राज नेताओं सम्मति दे भगवान* खैर 18 वें लोकसभा चुनाव के सातवे चरण के बाद खबरिया चैनलों पर एक्जिट पोल की बाढ़ सी आ गई है। कई वार तो मत दाताओं इनको चकमा दे देती है। 18 वें लोक सभा चुनाव के परिणाम घोषित होने कुछ समय शेष है। यानि 4 जुन तक हमें व आपको इंतजार करना होगा। फिलहाल आप सभी यह कहते हुए विदा लेते है-ना ही काहूँ से दोस्ती,ना ही काहुँ से बैर। खबरीलाल तो माँगे,सबकी खैर॥फिर मिलेंगे। तिरक्षी नजर से तीखीं खबर के संग। तब तक के लिए अलविदा।

हीट वेव में तेजी बड़े वैश्विक संकट की आहट

डॉ. शशांक द्विवेदी

पृथ्वी का औसत तापमान बढ़ता जा रहा है। दुनियाभर में भीषण गर्मी का प्रकोप जारी है। कहीं बहुत ज्यादा गर्मी के कारण जंगलों में आग लग रही है तो कहीं लोगों को पानी की कमी से जूझना पड़ रहा है। भारत के भी कई राज्यों में गर्मी और उमस से लोग बेहाल हैं। अपने ठंडे मौसम के लिए पहचाने जाने वाले यूरोप और अमेरिका भी ऐतिहासिक गर्मी का सामना कर रहे हैं। इसी बीच संयुक्त राष्ट्र ने एक डराने वाली चेतावनी जारी की है। यूएन के मुताबिक, जलवायु परिवर्तन के कारण अकेले दक्षिण एशिया में तीन-चौथाई बच्चे खतरनाक गर्मी की चपेट में हैं, जिनकी संख्या करीब 46 करोड़ है। संयुक्त राष्ट्र बाल कोष यानी यूनिसेफ के मुताबिक, मौजूदा समय में दुनिया में सबसे ज्यादा तापमान दक्षिण एशिया में है। जलवायु परिवर्तन के भयंकर असर के कारण इस क्षेत्र के तापमान में असामान्य रूप से बढ़ोतरी हो रही है। इस बढ़ते हुए तापमान का सबसे ज्यादा असर बच्चों पर पड़ रहा है। एक अनुमान के मुताबिक, दक्षिण एशिया में 18 साल से कम उम्र के 76 फीसदी बच्चे भीषण तापमान वाले इलाकों में रहते हैं। इनकी तादाद करीब 46 करोड़ है। यूनिसेफ के मुताबिक, अगर वैश्विक स्तर पर बात की जाए तो हर तीन में से एक बच्चा भीषण गर्मी से प्रभावित है। दरअसल, बच्चों में जलवायु परिवर्तन के साथ अपने शरीर के तापमान को ढालने की क्षमता कम होती है। विशेषज्ञों के अनुसार जलवायु परिवर्तन इस हीटवेव की मुख्य वजह है। वहीं ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन (जीएचजी), जो कोयले, गैस और तेल जैसे जीवाश्म ईंधन को जलाने से होता है, वो हीट वेव को अधिक गर्म और खतरनाक बना रहा है। वैश्विक तापमान उबाल पर है। आंकड़ों से साफ है कि दक्षिण एशिया में करोड़ों बच्चों का जीवन हीट वेव और बहुत ज्यादा तापमान के कारण जोखिम में पड़ गया है। यूएन की ओर से जारी चेतावनी के मुताबिक, भारत समेत अफगानिस्तान, बांग्लादेश, मालदीव और पाकिस्तान में जलवायु परिवर्तन के असर के कारण बच्चे ही सबसे ज्यादा जोखिम में हैं। अनुमान है कि दक्षिण एशिया के इन देशों में हर साल कम से कम 83 दिन 35 डिग्री सेल्सियस से ज्यादा तापमान रहता है। विशेषज्ञों के मुताबिक, बच्चे अपने शरीर को इतने ज्यादा तापमान के मुताबिक ढालने में सक्षम नहीं होते हैं। यूएन के अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन की अप्रैल में आई रिपोर्ट के मुताबिक, दुनिया भर में हर साल कामकाज के दौरान करीब 19,000 लोग गर्मी के चलते मारे जा रहे हैं। आसान भाषा में समझें तो एक ऐसा बिंदु आता है जब शरीर खुद को ठंडा नहीं कर पाता है। असल में पानी की कमी से बॉडी डिहाइड्रेशन का शिकार हो जाती है। जब शरीर में पानी की कमी होती है तो पानी के साथ कई जरूरी मिनरल और विटामिन की कमी भी हो जाती है। इस वजह से बॉडी के कई ऑर्गन जैसे किडनी, लंग्स और हार्ट डैमेज हो सकते हैं और उस वजह से लोगों की मौत हो सकती है। ग्लोबल वार्मिंग की वजह से हिमालय के ग्लेशियर 10 गुना तेजी से पिघल रहे हैं। 'तीसरा ध्रुव' नाम से जाना जाने वाला हिमालय अंटार्कटिका और आर्कटिक के बाद ग्लेशियर बर्फ का तीसरा सबसे बड़ा सोर्स है। वैज्ञानिकों के अनुसार 400 से 700 साल पहले के मुकाबले पिछले कुछ दशकों में हिमालय के ग्लेशियर 10 गुना तेजी से पिघले हैं। यह गतिविधि साल 2000 के बाद ज्यादा बढ़ी है। साइंस जर्नल साइंटिफिक रिपोर्ट्स में प्रकाशित हुए एक शोध के अनुसार इससे एशिया में गंगा, ब्रह्मपुत्र और सिंधु नदी के किनारे रहने वाले करोड़ों भारतीयों पर पानी का संकट आ सकता है। ब्रिटेन की लीड्स यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं के अनुसार, आज हिमालय से बर्फ के पिघलने की गति 'लिटल आइस एज' के वक्त से औसतन 10 गुना ज्यादा है। लिटल आइस एज का काल 16वीं से 19वीं सदी के बीच का था। इस दौरान बड़े पहाड़ी ग्लेशियर का विस्तार हुआ था। वैज्ञानिकों की मानें, तो हिमालय के ग्लेशियर दूसरे ग्लेशियर के मुकाबले ज्यादा तेजी से पिघल रहे हैं। हर साल गर्मी के रिकॉर्ड टूट रहे हैं। कथित विकास की अंधी दौड़ में शामिल दुनिया क्या खौलती गर्मियों से स्वयं को बचा पायेगी। वैज्ञानिकों के मुताबिक पिछले साल उत्तरी गोलार्ध में इतनी गर्मी पड़ी कि करीब 2,000 साल का रिकॉर्ड टूट गया। 2023 को धरती पर अब तक सबसे गर्म वर्ष कहा गया। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुतेरेस भी इसे 'वैश्विक उबाल का दौर' कह चुके हैं। 2024 में भी भीषण गर्मी अब तक एशिया के कई देशों को झुलसा चुकी है। भारत में भी भीषण गर्मी का कहर जारी है। देश के कई इलाके हीट वेव की चपेट में हैं। इस बीच मौसम विभाग ने देश में हीट वेव को लेकर चेतावनी जारी की है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार, उत्तर-पश्चिम भारत समेत मैदानी इलाकों में भीषण लू की स्थिति जारी रहने की संभावना है। पारंपरिक जीवाश्म ईंधन के बहुत ज्यादा इस्तेमाल के कारण ग्लोबल वार्मिंग ने हीट वेव को ज्यादा गर्म और ज्यादा लंबा बना दिया है। इसके अलावा तूफान और बाढ़ जैसी दूसरी मौसम की चरम स्थितियों को भी तेज कर दिया है। कुल मिलाकर दुनिया हानिकारक गैसों के उत्सर्जन के कारण भयंकर समस्याओं का सामना कर रही है। इस दशक में दुनिया को प्रदूषण को बेहद कम करना होगा। अगर ऐसा नहीं किया गया तो आने वाले समय में हालात ज्यादा खराब हो जाएंगे। भीषण गर्मी और हीट वेव, धरती के तापमान में असंतुलन और जलवायु परिवर्तन की वजह से हो रहा है, जिसका दायरा अब वैश्विक हो गया है। जमीनी सच्चाई यह है कि बड़े पैमाने पर ग्लेशियरों का पिघलना और दुनिया भर में हीट वेव बहुत बड़े वैश्विक खतरें की आहट है, जिसको अनदेखा नहीं किया जा सकता। कथित विकास की बेहोशी से दुनिया को जागना पड़ेगा।

लेखक मेवाड़ यूनिवर्सिटी में डायरेक्टर हैं।

विचार मंथन

लोकसभा चुनाव 2024 ने बनाया लंबी अवधि का रिकॉर्ड

(लेखक-सनत जैन)

भारत में लोकसभा चुनाव 2024 का प्रचार और मतदान सात चरणों में 44 दिनों में संपन्न हुआ। यह अभी तक की सबसे लंबी अवधि का चुनाव साबित हुआ है। 1996 के लोकसभा चुनाव 11 दिन में संपन्न हुए थे। 1998 का लोकसभा चुनाव 20 दिन में संपन्न हुआ था। 2000 में लोकसभा के चुनाव 21 दिन में संपन्न हुए। 2004 का लोकसभा चुनाव भी 21 दिन में संपन्न हुआ था। उसके बाद से लगातार चुनाव की समयावधि बढ़ती गई है। 2009 में 28 दिन, 2014 में 36 दिन और 2019 में 39 दिन में लोकसभा के चुनाव संपन्न हुए थे। मौजूदा 2024 के लोकसभा चुनाव की अवधि 44 दिन रही, जो अभी तक का सबसे ज्यादा दिनों का रिकॉर्ड है। 1996 से लेकर 2024 के बीच का काल देश में संचार क्रांति के रुप में जाना जाता है। इस दौरान गांव-गांव तक फोन और इंटरनेट का विस्तार हो गया। परिवहन यातायात के साधन सुलभ हुए। खूब अच्छी सड़कें बनीं। हर गांव से पहुंच मार्ग मुख्य सड़क तक मिल गया। चुनाव ईवीएम मशीन से होने लगे। हवाई जहाज चलने लगे। चांद पर हमने अपना चंद्रयान भी उतार दिया। इसके बाद भी आम चुनाव की अवधि बढ़ती चली गई। तमाम व्यवस्थाओं के बीच चुनाव हुए, इसके बाद भी 2024 का लोकसभा चुनाव की अवधि कम होने के स्थान पर और बढ़ती चली गई, यह हैरान करने वाली बात है।

सत्ता पक्ष की ओर से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सभी 543 लोकसभा क्षेत्रों में अपने चेहरे पर चुनाव लड़ रहे थे। सात चरण में मतदान होने से हर चरण में चुनाव प्रचार करने की अवधि अलग-अलग थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ऐसे बिरले उम्मीदवार और पार्टी के स्टार चुनाव प्रचारक रहे हैं जो प्रत्येक चरण से लेकर अंतिम चरण तक जहां-जहां चुनाव होने तक 44 दिन लगातार प्रचार करते रहे। कोई भी राज्य हो, कोई भी चरण हो, प्रधानमंत्री 24 घंटे हर समय मतदाताओं के सामने चुनाव प्रचार के लिए बने रहे। इस लोकसभा चुनाव में सभी राज्यों में सबसे ज्यादा जनसभा और रैलियां करने का रिकॉर्ड प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नाम पर है। उसके बाद गृहमंत्री अमित शाह ने देश भर में 188 रेलियों को संबोधित किया। 2024 के लोकसभा चुनाव के सातों चरणों में इनका चुनाव प्रचार सतत चलता रहा। सबसे बड़ी बात यह है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह ने सरकारी सुरक्षा में रहते हुए चुनाव प्रचार किया। इस चुनाव प्रचार में मीडिया के सभी राष्ट्रीय चैनल लगातार दोनों का प्रसारण करते रहे। भले ही प्रत्येक चरण के मतदान के दौरान चुनाव आचार संहिता के अंतर्गत चुनाव प्रचार में रोक लग गई हो, मतदान के दिन किसी तरीके का प्रचार नहीं किया जा सकता हो, लेकिन वहां पर भी टेलीविजन के माध्यम से लगातार प्रचार-प्रसार होता रहा। 44 दिन की लंबी समयावधि चुनाव आयोग ने शायद इसी तथ्य को ध्यान में रखते हुए सात चरणों में चुनाव संपन्न कराने का काम किया है। बहरहाल इन तमाम व्यवस्थाओं के बीच 2024 का लोकसभा चुनाव अपनी लंबी अवधि के लिए इतिहास में जरुर दर्ज किया जाएगा।

इंफ्रास्ट्रक्चर फंड्स ने पिछले साल 74 फीसदी एवरेज रिटर्न दिया

नई दिल्ली । इंफ्रास्ट्रक्चर फंड्स ने पिछले साल 74 फीसदी का शानदार एवरेज रिटर्न दिया है। इसी के साथ ये म्यूचुअल फंड रिटर्न चार्ट पर टॉप परफॉर्मर्स की कैटेगरी में शामिल हो गया है। इस चार्ट में इंफ्रास्ट्रक्चर फंड्स केवल पब्लिक सेक्टर कंपनियों थीम केटेगरी से पीछे हैं, जिन्होंने हालिया सालों में बेहतर ग्रोथ दर्ज की है। वैल्यू रिसर्च की एक रिपोर्ट के अनुसार कुछ इंफ्रास्ट्रक्चर फंड्स तो एक साल के अंदर 80-90 फीसदी तक का रिटर्न दे रहे हैं। पिछले दो कारोबारी साल में रिटर्न के चलते इस कैटेगरी में निवेश तीन गुना तक बढ़ गया है। इस बीच` विशेषज्ञ का मानना है कि सेगमेंट में तेजी जारी रह सकती है। हालांकि, उन्होंने निवेशकों को इन फंड्स में निवेश करने से पहले साइकिलिक नेचर और अंदर मौजूद रिस्क को समझने के लिए आगाह किया है। बताया जा रहा हैं कि इस शानदार रिटर्न के पीछे सरकार का बहुत बड़ा योगदान है, जो इंफ्रास्ट्रक्चर पर काफी खर्चा कर रही है। कारोबारी साल 2025 के लिए सरकार ने इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स के लिए 11 लाख करोड़ से ज्यादा का रिकॉर्ड बजट अलॉट किया गया है। निवेशक इससे फायदा उठाने की कोशिश में लगे हुए हैं, जिससे इंफ्रास्ट्रक्चर म्यूचुअल फंड एक आकर्षक साधन बन गया है।

एआई पायलट्स की जगह नहीं ले सकता: एयरलाइंस अधिकारी

दुबई । वर्तमान में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस हर क्षेत्र में अपनी पकड़ बना रहा है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) को लेकर एयरलाइंस ने बताया कि भविष्य में यह पायलटों की जगह नहीं लेगा, लेकिन विमानन उद्योग के विशेषज्ञों का मानना है कि नई तकनीक उनके व्यापार करने के तरीके में तेजी से बदलाव ला रहे हैं। एयर फ्रांस-केएलएम में डेटा विज्ञान और एआई की एक प्रमुख अधिकारी ने विमानन क्षेत्र के लिए डेटा और एआई को एक शानदार लीवर बताया। संयुक्त अरब अमीरात में एक वार्षिक वैश्विक शिखर सम्मेलन में सोमवार को एयरलाइंस अधिकारी शामिल हुए। इस सम्मेलन में आगामी एआई परियोजनाओं को लेकर चर्चा हुई। विमानन कंपनियां लंबे समय से ही कम लाख मार्जिन की आदी है, ले किन एआई के जरिए इसके उत्पादकता में वृद्धि हो सकती है। अमेरिका स्थित फर्म बेन एंड कंपनी में एयरलाइन उद्योग के एक प्रमुख सलाहकार ने कहा कि एआई वास्तव में सही लोगों तक सही जानकारी जल्द से जल्द पहुंचाने में सहायक है। जेनरेटिव आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग करते हुए 40 से अधिक परियोजनाओं के साथ एयर फ्रांस-केएलएम ऐसा कर रहा है। फ्रेंच-डच कंपनी की योजनाओं में एक ऐसा टूल है जो ग्राहकों को 85 अलग-अलग भाषाओं में जवाब देता है। इसे एयर फ्रांस एजेंटों के टैबलेट पर इंस्टॉल किया जाएगा और 2025 तक पेरिस चार्ल्स डे गॉल एयरपोर्ट पर लागू कर दिया जाएगा।

व्हाट्सएप ने भारत में अप्रैल में 71 लाख से ज्यादा अकाउंट बैन किए

नई दिल्ली । व्हाट्सएप ने अप्रैल महीने में भारत में 71 लाख से ज्यादा अकाउंट बैन कर दिए। कंपनी ने कहा` कि बैन किए गए 7,182,000 व्हाट्सएप अकाउंट में से 1,302,000 को यूजर्स की ओर से कोई रिपोर्ट मिलने से पहले ही एक्टिव रूप से ब्लॉक कर दिया गया। मैसेजिंग प्लेटफॉर्म व्हाट्सएप के भारत में 550 मिलियन से ज्यादा यूजर्स हैं। उसे देश भर से 10 हजार 554 शिकायतें प्राप्त हुईं और जिन पर कार्रवाई की गई उनकी संख्या मात्र छह थी। नए भारतीय आईटी नियम 2021 के अनुसार इसकी मासिक अनुपालन रिपोर्ट के मुताबिक, व्हाट्सएप को देश में शिकायत अपीलीय समिति से भी दो आदेश मिले और उसने दोनों का अनुपालन किया। कंपनी ने कहा, हम अपने काम में पारदर्शिता बनाए रखेंगे। भविष्य की रिपोर्टों में अपने प्रयासों के बारे में जानकारी शामिल करेंगे। ज्ञात हो कि मार्च में व्हाट्सएप ने भारत में 79 लाख से ज्यादा अकाउंट को बैन कर दिया था। मार्च में प्लेटफॉर्म को रिकॉर्ड 12,782 शिकायतें मिली थी और इनमें से 11 पर कार्रवाई की गई। कंपनी इन प्रयासों की देखरेख के लिए इंजीनियरों, डेटा वैज्ञानिकों, विश्लेषकों, शोधकर्ताओं और कानून प्रवर्तन, ऑनलाइन सुरक्षा और प्रौद्योगिकी विकास के विशेषज्ञों की एक टीम को नियुक्त करती है।

भारतीय जनता पार्टी जीती तो हर हफ्ते आएगा 2 अरब डॉलर तक का विदेशी निवेश निवेश

नई दिल्ली:

लोकसभा चुनाव में नरेंद्र मोदी की अगुआई वाली भारतीय जनता पार्टी को जीत मिली तो भारतीय शेयरों में विदेशी निवेश फिर से आ सकता है। नोमूरा के विश्लेषकों का अनुमान है कि जेपी मॉर्गन इंडेक्स में शामिल किए जाने की तारीख (28 जून) तक उनका साप्ताहिक निवेश डेट मार्केट में 1 से 2 अरब डॉलर रह सकता है। दूसरी ओर, अगर भाजपा 2024 का चुनाव जीतने में नाकाम रहती है तो नोमूरा को कुछ हफ्तों में 30 अरब डॉलर से ज्यादा के विदेशी निवेश की निकासी की आशंका है। ऐसे में भारतीय रिजर्व बैंक के भारी हस्तक्षेप की दरकार होगी। नोमूरा के नाथन श्रीबालासुंदरम ने हालिया नोट में कहा कि अप्रैल में बिकवाली के बाद आरबीआई ने हाल में अपने विदेशी मुद्रा भंडार में इजाफा बहाल किया है। हालांकि यह आवक अभी कम है। यह निवेश पूंजी खाते के निवेश का करीब से अनुसरण करता है। इक्विटी और बॉन्ड में एफपीआई का निवेश इसमें इजाफा कर रहा है। हमें लगता है कि यह पूरी तरह चुनाव नतीजों की झलक देता है। भाजपा की जीत की स्थिति में हमें डॉलर वापस आने की उम्मीद है और चुनाव से इंडेक्स में शामिल किए जाने की तारीख तक हर सप्ताह करीब 1 से 2 अरब डॉलर निवेश आने का अनुमान है। नोमूरा के अनुसार आगामी हफ्तों में अंतरबैंक

नकदी बढ़ाने के लिए आरबीआई विदेशी विनिमय में हस्तक्षेप कर सकता है। उसका कहना है कि यह मोटे तौर पर चुनाव नतीजों से संचालित होगा। नोमूरा ने कहा कि पिछले हफ्तों में एफपीआई ने छोटे आकार में सरकार के बॉन्ड में खरीद बहाल की है।

अडाणी समूह का कर-पूर्व लाभ रिकॉर्ड 45 प्रतिशत बढ़ा

नई दिल्ली ।

अडाणी समूह की कंपनियों का बीते वित्त वर्ष 2023-24 में कर-पूर्व लाभ (ईबीआईटीडीए) रिकॉर्ड 45 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 82,917 करोड़ रुपये रहा है। समूह ने बयान में यह जानकारी दी। अमेरिकी शॉर्ट सेलर हिंडनबर्ग की रिपोर्ट से अपनी सूचीबद्ध कंपनियों को हुए नुकसान से उबरकर अडाणी समूह ने 2023-24 में ऋण को नियंत्रित करने, गिरवी शेयरों को कम करने और मुख्य क्षेत्रों में कारोबार को मजबूत करने पर ध्यान केंद्रित किया। कर-पूर्व लाभ का 84 प्रतिशत हिस्सा कारोबारों से आता है। अडाणी समूह ने बयान में कहा कि परिचालन से नकद लाभ या कोष प्रवाह (एफएफओ) 56,828 करोड़ रुपये रहा, जो उच्च रूपांतरण प्रदान करने वाली अनुशासित निवेश रणनीति के माध्यम से सालाना आधार पर 51 प्रतिशत की वृद्धि है। मजबूत महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे का समर्थन करने वाले तीन दशक में निर्मित मजबूत परिसंपत्ति आधार 4,78,137 करोड़ रुपये है। यह परिसंपत्ति आधार 35 करोड़ उपयोगकर्ताओं के उपभोक्ता आधार की सेवा करता है।

मुनाफा कमाने के मामले में पीएनबी नंबर वन

मुंबई ।

सार्वजनिक क्षेत्र के पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) ने मुनाफा कमाने के मामले में करीब 12 सरकारी बैंकों को पछाड़ते हुए सबसे ऊंचे पायदान पर पहुंचने में कामयाबी हासिल की है। पिछले वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान पीएनबी ने मुनाफा कमाने के मामले में करीब 229 फीसदी की सबसे ऊंची बढ़ोतरी दर्ज करके टॉप पर अपना स्थान बना लिया है। सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में मुनाफा कमाने के मामले में टॉप पर आने के बाद पीएनबी के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा कि उनका बैंक विरासत की समस्याओं को पीछे छोड़ते हुए बैंकिंग प्रतिस्पर्धा में आगे निकलने और चालू वित्त वर्ष तथा आगामी वर्षों के दौरान लाभप्रदता के मामले में नई ऊंचाइयों को छूने के लिए सही रास्ते पर है। मीडिया की रिपोर्ट्स के अनुसार पिछले वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान 12 सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में पंजाब नेशनल बैंक 229 फीसदी की सबसे अधिक बढ़ोतरी दर्ज करके सूची में टॉप पर रहा। बैंक का लाभ वित्त वर्ष 2022-23 के 2,507 करोड़ रुपये की तुलना में तीन गुना से ज्यादा बढ़कर 8,245 करोड़ रुपये हो गया। तीन साल पहले पीएनबी की स्थिति को याद करते हुए उन्होंने कहा कि यह कई मामलों में पिछड़ा हुआ था, जिसकी सकल और शुद्ध गैर-निष्पादित आस्तियों (एनपीए) की संख्या सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों (पीएसबी) में सबसे अधिक थी और प्रावधान कवरेज अनुपात (पीसीआर) भी कम था।

शेयर बाजार में तूफान, निफ्टी 733.20 और सेंसेक्स 2507.47 अंक उछला

मुम्बई ।

घरेलू शेयर बाजार में सोमवार को भारी तेजी दर्ज की गयी। बाजार में ये रिकार्ड उछाल लोकसभा चुनावों को लेकर एग्जिट पोल के आंकड़ों के बाद आया है। जिसमें सत्ताधारी भाजपा गठबंधन सरकार की लगातार तीसरी बार केन्द्र में वापसी तय दिखायी गयी है। इससे निवेशकों में खुशी का माहौल है जिससे उन्होंने जमकर खरीददारी की। इसके साथ ही विदेशी निवेशकों का भी समर्थन मिलना है। इससे सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन बाजार अब तक के शीर्ष स्तर पर बंद हुआ। इस दौरान वित्तीय शेयरों के साथ ही , सरकारी बैंकों, पीएसयू स्टॉक्स और इंडेक्स हैवीवेट रिलायंस इंडस्ट्रीज (आरआईएल) के साथ ही उर्जा के शेयरों में तेजी देखी गयी है।

आज सुबह तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स लंबी छलांग लगाकर 76,583.29 अंक पर खुला और इसके बाद आगे जाता गया। इंट्राडे कारोबार (एक ही दिन में खरीदने और बेचने) के दौरान यह 76,738.89 अंक के सर्वोच्च स्तर पर पहुंचने के बाद अंत में सेंसेक्स 3.39 फीसदी करीब 2507.47 अंक बढ़कर 76,468.78 पर बंद हुआ। वहीं इसी प्रकार पचास शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 3.25 फीसदी तकरीबन 733.20 अंक बढ़कर 23,263.90 के अब तक के शीर्ष स्तर पर बंद हुआ। आज कारोबार के दौरान सेंसेक्स की कंपनियों में एनटीपीसी का शेयर सबसे ज्यादा 9.21 फीसदी बढ़कर बंद हुआ जबकि एसबीआई के शेयर 9.12 फीसदी ऊपर आये। इसके साथ ही पावर ग्रिड, एलएंडटी, एक्सिस बैंक, रिलायंस इंडस्ट्रीज, अल्ट्रा टेक सीमेंट, महिंद्रा एंड महिंद्रा, टाटा स्टील, आईसीआई बैंक के शेयर सबसे अधिक लाभ में रहे। शेयर बाजार में आई इस रिकार्ड तेजी के बाद भी कुछ शेयरों को नुकसान हुआ और ये गिरावट पर बंद हुए। ये शेयर हैं एचसीएल टेक, सन फार्मा, एशियन पेंट्स, नेस्ले इंडिया और इंफोसिस। बाजार जानकारों के अनुसार एग्जिट पोल में संकेत दिया गया है कि सत्तारूढ़ पार्टी लगातार तीसरी बार वापसी करेगी जिससे देश में राजनीतिक स्थिरता को देखते हुए बाजारों को बल मिला। इससे विदेशी निवेश भी एकदम से बढ़ा। इससे पहले आज

सुबह लोकसभा चुनाव के परिणाम से पहले घरेलू शेयर बाजार ने सप्ताह के पहले कारोबारी दिन सोमवार को एक बार फिर से लंबी छलांग लगाई। बीएसई का सेंसेक्स 2500 अंक उछला तो निफ्टी 1000 अंक तेजी के साथ खुली। एग्जिट पोल एजेंसियों द्वारा एनडीए की जीत की भविष्यवाणी के बाद सोमवार सुबह सेंसेक्स 2,500 अंक ऊपर कारोबार कर रहा था और निफ्टी 1,000 अंक से अधिक उछल गया। भाजपा के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के भारी बहुमत के साथ लौटने की भविष्यवाणी की वजह से शेयर बाजार में बढ़त देखी गयी।

नई सरकार के साथ लोगों को तोहफा दे सकता हैं आरबीआई

नई दिल्ली ।

जीएसटी कलेक्शन हो या विकास दर के आंकड़े, हर मोर्चे पर अभी राहत भरे संकेत दिख रहे हैं। इसके बाद कयास लग रहा है कि वे या नई सरकार बनने के बाद रिजर्व बैंक (आरबीआई) भी आम आदमी को तोहफा देगा। एग्जिट पोल में मोदी सरकार की वापसी के संकेत मिलते ही शेयर बाजार की खुशी से झूम उठा है। दरअसल, 5 जून से आरबीआई की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की बैठक शुरू हो रही है और 7 जून को यह कमेटी रेपो रेट पर फैसला करेगी। रेपो रेट पर सबसे ज्यादा असर महंगाई का पड़ता है। अगर खुदरा महंगाई काबू में है, तब रेपो रेट में कटौती की उम्मीद भी बढ़ जाती है। हालिया आंकड़े इशारा भी कर रहे हैं कि रिजर्व बैंक शायद इस बार लोन धारकों को तोहफा दे सकता है। साल 2024 शुरू होने के साथ ही खुदरा महंगाई का आंकड़ा लगातार नीचे जा रहा है। अप्रैल में खुदरा महंगाई की वृद्धि दर 4.8 फीसदी रही, जो मार्च में 4.85 और जनवरी-फरवरी में 5.1 फीसदी थी। मौजूदा आंकड़ा 10 महीने में खुदरा महंगाई का सबसे कम आंकड़ा है। रिजर्व बैंक ने खुदरा महंगाई का दायरा 4 से 6 फीसदी के बीच रखा है।

इसका मतलब है कि अगर खुदरा महंगाई की दर इसके बीच में रहती है, तब रिजर्व बैंक को ज्यादा चिंता नहीं रहेगी।

खुदरा महंगाई के साथ कोर

महंगाई की दर भी लगातार नीचे जा रही है। लिहाजा आने वाले समय में भी खुदरा महंगाई 6 फीसदी से नीचे ही रहेगी। चालू वित्तवर्ष यानी मार्च, 2025 तक खुदरा महंगाई 4.5 फीसदी तक रहने का ही अनुमान है। जुलाई-सितंबर तिमाही में तब खुदरा महंगाई का आंकड़ा 3.8 फीसदी ही रहने का अनुमान है। इसके बाद ज्यादातर एक्सपर्ट का यही मानना है कि आरबीआई इस बार भी रेपो रेट से छेड़छाड़ नहीं करेगा। कई अर्थशास्त्रियों ने रेपो रेट में बदलाव नहीं करने की बात कही है। इसका मतलब हुआ कि आपके लोन पर फिलहाल कोई असर नहीं पड़ने वाला है। हालांकि, अबे ट्बर की बैठक में आरबीआई ब्याज दरों में कटौती कर सकता है।

लोन सस्ता या महंगा होगा, रेपो रेट पर फैसला 7 जून को

मुंबई । देश में 18वीं लोकसभा के लिए हुए चुनाव के नतीजे 4 जून को घोषित कर दिए जाएंगे और ठीक उसके एक दिन बाद 5 जून से देश में रेपो रेट तय करने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के अधीन कार्यरत मौद्रिक नीति समिति की तीन दिवसीय बैठक शुरू हो जाएगी। अब इस बैठक में आरबीआई आम आदमी के लोन को महंगा करेगा, घटाएगा या फिर उसमें किसी प्रकार का बदलाव नहीं करेगा, इसका फैसला 7 जून को किया जाएगा। हालांकि संभावना यह जाहिर की जा रही है कि महंगाई और भू-राजनीतिक में व्याप्त तनाव की वजह से आरबीआई फिलहाल रेपो रेट में किसी प्रकार के बदलाव करने की जोखिम नहीं उठाएगा। मीडिया की रिपोर्ट के अनुसार, भू-राजनीतिक तनाव की वजह से भारत समेत दुनिया भर में महंगाई तेजी से बढ़ रही है। इस चुनौतीपूर्ण महौल में आरबीआई को महंगाई के स्तर पर 4 से 4.5 फीसदी के स्तर पर कायम रखना है। वहीं केंद्रीय बैंक ने फरवरी 2023 से रेपो रेट में किसी प्रकार का बदलाव नहीं किया है। अब अगर आरबीआई 5 जून से होने वाली एमपीसी की बैठक में रेपो रेट में बढ़ोतरी करने या उसे घटाने का जोखिम उठाता है, तो दोनों ही स्थिति में खुदरा और थोक महंगाई को हवा मिल सकती है। यदि सात जून को ब्याज दर में कोई बदलाव नहीं किया जाता है, तो यह यथास्थिति बनाए रखने का आठवां मौका होगा।

देश भर में अमूल दूध के दाम में 2 रुपये लीटर की वृद्धि

लखनऊ ।

देश भर में अमूल दूध के दाम में 2 रुपये लीटर की वृद्धि कर दी गई है। गुजरात सहकारी दुग्ध विपणन महासंघ की ओर से देशभर में दूध की कीमतों में वृद्धि का ऐलान किया गया है। दरअसल भीषण गर्मी के बीच दूध की आपूर्ति में कमी आई है। ल दूध के दाम में वृद्धि के बाद 66 रुपए प्रति लीटर मिलने वाला अमूल गोल्ड सोमवार से 68 रुपये प्रति लीटर मिलने लगा है। हालांकि पराग गोल्ड दूध अभी ग्राहकों को 66 रुपये प्रति लीटर ही मिल रहा है। इन ब्रांड के दूध के दामों में वृद्धि पर मंथन चल रहा है।

दूध के दाम में वृद्धि का कारण भीषण गर्मी बताया जा रहा है। इस कारण दूध का उत्पादन कम हो रहा है। ऐसे में अन्य दुग्ध उत्पादक कंपनियां भी दाम बढ़ाने पर विचार कर रही हैं। इससे लोगों को बढ़े हुए दूध के दाम का असर दिख रहा है। दरअसल जीसीएमएमएफ की ओर से देर रात बयान जारी किया गया। इसमें कहा गया कि 2 रुपये प्रति लीटर की वृद्धि से अधिकतम खुदरा मूल्य में 3 से 4 प्रतिशत की वृद्धि होगी। इसे औसत खाद्य मुद्रास्फीति से काफी कम बताया गया है।

अमूल दूध के दाम में वृद्धि का असर: अमूल गोल्ड 1 लीटर 66.68 रुपये, अमूल गोल्ड 500 एमएल 33.34 रुपये, अमूल काउ मिल्क 1 लीटर 56 57 रुपये,

अमूल काउ मिल्क 500 एमएल 28,29 रुपये, अमूल ताजा 1 लीटर 54.56 रुपये, अमूल ताजा 500 एमएल 27.28 रुपये, अमूल स्लिम ट्रिम 1 लीटर48.49 रुपये, अमूल स्लिम ट्रिम 500 एमएल 24.25 रुपये, अमूल गाय का दूध 1 लीटर 70.73 रुपये, अमूल गाय का दूध 500 एमएल 35.37 रुपये। अमूल दूध के दाम बढ़ने के बाद यूपी में ग्राहकों को अब एक लीटर अमूल गोल्ड 66 रुपये की जगह 68 रुपये में मिलने लगा है। वहीं आधा लीटर अमूल गोल्ड की कीमत 34 रुपये निर्धारित की गई है। अमूल ताजा आधा लीटर के दाम 26 रुपये से बढ़ाकर 27 रुपये हो गए हैं। एक लीटर के ताजा दूध के दाम 54 रुपये से बढ़कर 56 रुपये हो गए हैं। अमूल काउ मिल्क के दाम 56 रुपये प्रति लीटर चुकाने होंगे। अमूल स्लिम और ट्रिम 49 रुपये प्रति लीटर महंगा हो गया है।

रियलमी सी 63 स्मार्टफोन इंडोनेशिया में लॉन्च

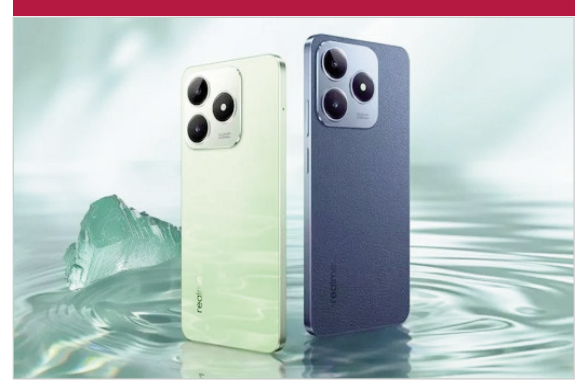

नई दिल्ली ।

इंडोनेशिया में चाइनीज कंपनी द्वारा रियलमी सी 63 स्मार्टफोन लॉन्च कर दिया है। स्मार्टफोन के 6जीबी रैम प्लस 128जीबी स्टोरेज मॉडल की कीमत आईडीआर 1,999,000 यानी लगभग 10,000 रुपये और 8जीबी रैम प्लस 128जीबी स्टोरेज मॉडल की कीमत आईडीआर 2,299,9000 यानी लगभग 12,000 रुपये रखी गई है। रियलमी सी 63 स्मार्टफोन लेदर ब्लू और जेड ग्रीन कलर ऑप्शन में लाया गया है। इसकी सेल 5 जून को शुरू होगी। प्रोसेसर की बात करें तो इसमें ऑक्टा-कोर यूनिसोक टी612 चिपसेट मिलता है, जिसे माली-जी57 जीपीयू और 8जीबी तक रैम, 8जीबी वर्चुअल रैम और 256जीबी ऑनबोर्ड स्टोरेज के साथ लाया गया है। कैमरा की बात करें तो इस फोन में 50एमपी के प्राइमरी सेंसर के साथ डुअल रियर कैमरा यूनिट दिया गया है। इसमें सेल्फी और वीडियो चैट के लिए 8 एमपी कैमरा है।बैटरी की बात करें तो रियलमी सी 63 45वॉट सुपरवॉक फ़ास्ट चार्जिंग सपोर्ट के साथ 5,000 एमएएच की बैटरी मिलती है।

इसकी खासियत है कि यह एक मिनट के चार्ज से एक घंटे तक का टॉकटाइम दे सकती है। फोन की बैटरी एक बार चार्ज करने पर 38 दिनों तक का स्टैंडबाय टाइम दे सकती है। डिस्प्ले की बात करें तो रियलमी सी 63स्मार्टफोन में 6.74-इंच एचडी प्लस (1,600एक्स720 पिक्सल) डिस्प्ले है, जिसमें 90 एचझेड रिफ्रेश रेट, 450नीटस की पीक ब्राइटनेस और 180 एचझेड टच सैंपलिंग रेट मिलता है।

पेट्रोल-डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं

नई दिल्ली ।

देश भर में सोमवार 3 जून को पेट्रोल-डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। राजधानी दिल्ली में सोमवार को पेट्रोल के दाम 94.72 रुपये, तो वहीं डीजल के दम 87.62 रुपये प्रति लीटर हैं।, मुंबई में पेट्रोल की कीमत 104.21 रुपये और डीजल की कीमत 92.15 रुपये प्रति लीटर है। कोलकाता में पेट्रोल की कीमत 103.94 रुपये और डीजल की कीमत 90.76 रुपये प्रति लीटर है। चेन्नई में पेट्रोल की कीमत 100.75 रुपये, तो वहीं डीजल की कीमत 92.34 रुपये प्रति लीटर है। वहीं नोएडा में पेट्रोल 94.81 रुपये प्रति लीटर और डीजल 87.94 रुपये प्रति लीटर, गुरुग्राम में पेट्रोल 95.18 रुपये प्रति लीटर और डीजल 88.03 रुपये प्रति लीटर, चंडीगढ़ में पेट्रोल 94.22 रुपये प्रति लीटर और डीजल 82.38 रुपये प्रति लीटर, हैदराबाद में पेट्रोल 107.39 रुपये प्रति लीटर और डीजल 95.63 रुपये प्रति लीटर, जयपुर में पेट्रोल 104.86 रुपये प्रति लीटर और डीजल 90.34 रुपये प्रति लीटर, पटना में पेट्रोल 105.16 रुपये प्रति लीटर और डीजल 92.03 रुपये प्रति लीटर, लखनऊ में पेट्रोल 94.63 रुपये प्रति लीटर और डीजल 87.74 रुपये प्रति लीटर है।

अडाणी समूह के शेयर में 12 फीसदी से ज्यादा की तेजी

नई दिल्ली ।

अदाणी ग्रुप अभी चर्चा का विषय बना हुआ है। बीते दिन गौतम अदाणी देश के सबसे अमीर व्यक्ति के साथ ही एशिया के भी अमीर व्यक्ति बन गए हैं। सोमवार को शेयर बाजार के दोनों सूचकांक ने धुंआधार शुरुआत की है। बाजार में आई तेजी के साथ अदाणी ग्रुप के शेयरों में भी तेजी देखने को मिली है। सोमवार को अदाणी पावर के शेयर 12 फीसदी की तेजी के साथ कारोबार कर रहे थे। शेयरों में आई तेजी के बाद अदाणी ग्रुप का एम-कैप 20 लाख करोड़ रुपये के पार पहुंच गया है। शुरुआत में अदाणी पावर के शेयर 864.30 रुपये प्रति शेयर पर खुला था। इसके बाद शेयर में 12 फीसदी से ज्यादा की तेजी आई और 1 शेयर की कीमत 876.35 रुपये प्रति शेयर पहुंच गई। वहीं अदाणी एंटरप्राइजेज के शेयर 3682.65 रुपये प्रति शेयर पर खुला था और बाद में 9 फीसदी से ज्यादा चढ़कर 3,716.05 रुपये प्रति शेयर पर पहुंच गया। गौतम

अदाणी की पोर्ट कंपनी अदाणी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकनॉमिक ज़ोन लिमिटेड के शेयर में भी तेजी के साथ कारोबार देखा गया। सुबह कंपनी के शेयर 1534.25 रुपये प्रति शेयर पर खुला था। इसके बाद कंपनी के स्टॉक में 9 फीसदी से ज्यादा की तेजी आई और 1 स्टॉक की कीमत 1,572.10 रुपये हो गई।

किसानों के खातों में 4 जून के बाद आएंगे पैसे!

मुंबई । लोकसभा चुनाव 2024 के 7 चरण का मतदान पूरा हो चुका है। नतीजे 4 जून को घोषित किए जाएंगे। रिपोर्ट्स के मुताबिक चुनावी नतीजे घोषित होने के बाद केंद्र की नई सरकार पीएम किसान योजना के तहत 17वीं किस्त जारी कर सकती है। हालांकि सरकार की तरफ से अभी तक इसके लिए तारीखों की घोषणा नहीं हुई है। पीएम किसान सम्मान निधि की 16वीं किस्त के 2,000 रुपये प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 28 फरवरी, 2024 को किसानों के खाते में डाली थी। 16वीं किस्त के रूप में देश के किसानों के खातों में कुल 21 हजार करोड़ रुपये ट्रांसफर किए गए थे। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के तहत किसानों को केंद्र सरकार हर साल 6 हजार रुपये देती है। यह राशि 3 किस्तों में दी जाती है। सहायता राशि सीधे किसानों के बैंक अकाउंट्स में डाली जाती है। पति या पत्नी में किसी एक को पीएम किसान सम्मान निधि की राशि दी जाती है।

अगर पाकिस्तान से हारा भारत तो क्या टी20 वर्ल्ड कप से बाहर हो जाएगी टीम इंडिया?

नई दिल्ली (एजेंसी)। टी20 वर्ल्ड कप 2024 के जिस हाई वोल्टेज मुकाबले का सभी को बेसब्री से इंतजार है वह भारत और पाकिस्तान के बीच 9 जून को खेला जाएगा। भारत और पाकिस्तान के बीच जब भी कोई मैच होता है। उसको लेकर फैंस में बहुत उत्साह रहता है। दोनों टीमों के बीच हमेशा एक रोमांचक मुकाबला देखने को मिलता है और फील्ड पर एक अलग ही वातावरण रहता है।

वैसे तो आईसीसी इवेंट में भारतीय टीम पाकिस्तान से कहीं आगे हैं, लेकिन क्या आपने सोचा है कि अगर भारत ये मुकाबला हारता है तो उसका क्या प्रभाव पड़ेगा।

भारत हारा तो क्या होगा?

भारत और पाकिस्तान के बीच आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप में ये छठी भिड़ंत होगी। इससे पहले खेले गए 5 मुकाबलों में भारत ने 4 और पाकिस्तान ने 1 मुकाबला जीता है। इस विश्व कप में कुल 20 टीमें है, जिन्हें 4 ग्रुपों में बांटा गया है, प्रत्येक ग्रुप में पांच टीमें हैं, जिसमें से टॉप 2 टीमें सुपर 8 चरण में जाएंगी।

ऐसे में अगर भारतीय टीम पाकिस्तान से हारती है तो उसे बाकी बचे तीन मैच जीतने होंगे और अगर तीनों मैच जीतती है तो एक1पोजिशन पर रहेगी। लेकिन इसके अलावा अगर कोई बड़ा उलटफेर हुआ तो भारतीय टीम को ग्रुप में नेट रन रेट पर निर्भर रहना होगा।

पाकिस्तान हारा तो क्या होगा?

पाकिस्तान अगर भारत से हारता है और बाकी तीन मैच जीतने में कामयाब रहता है तो वह दूसरे पायदान पर काबिज रहेगा। वहीं अगर पाकिस्तान भारत के खिलाफ हारता है तो बाबर आजम की टीम ट्रॉफी की रेस में बरकरार रहेगी, लेकिन उसके लिए पाकिस्तान को बाकी के तीनों मैच जीतने होंगे या फिर 2 मैच अच्छा नेट रन रेट के साथ जीतना होगा।

टी20 विश्व कप : नामीबिया के रूबेन ट्रम्पेलमैन ने टी20आई में बनाया वर्ल्ड रिकॉर्ड

स्पोर्ट्स डेस्क (एजेंसी)। नामीबिया के रूबेन ट्रम्पेलमैन ने सोमवार 3 जून को ओमान के खिलाफ टी20 विश्व कप 2024 अभियान में पहले मैच में एक नया टी20 रिकॉर्ड बनाया। 26 वर्षीय बाएं हाथ के तेज गेंदबाज टी20 मैच की पहली दो गेंदों पर दो विकेट लेने वाले पहले व्यक्ति बन गए। उन्होंने बारबाडोस के ब्रिजटाउन में केंसिंग्टन ओवल में ग्रुप बी के मैच में ओमान की बल्लेबाजी इकाई को हिलाकर रख दिया। नामीबिया ने रोमांचक मुकाबले में ओमान को सुपर ओवर में हराया, दोनों टीमें 40 ओवर के रोमांचक मैच में बराबरी पर थीं। डेविड विसे और गेरहार्ड इरास्मस ने शानदार प्रदर्शन करते हुए नामीबिया को कड़ी टक्कर देते हुए जीत दिलाई। कप्तान गेरहार्ड इरास्मस द्वारा टॉस जीतने और गेंदबाजों के लिए भरपूर सहायता वाली पिच पर गेंदबाजी करने के बाद रूबेन ट्रम्पेलमैन ने पूरी ताकत से खेलते हुए शानदार शुरुआत की। नामीबिया इससे बेहतर शुरुआत की उम्मीद नहीं कर सकता था क्योंकि रूबेन ट्रम्पेलमैन ने खेल की पहली दो गेंदों पर सलामी बल्लेबाज कश्यप प्रजापति और कप्तान आकिब इलियास के बड़े विकेट हासिल किए। ट्रम्पेलमैन की यह बाएं हाथ की स्विंग गेंदबाजी का मास्टरक्लास था, क्योंकि उन्होंने गेंद को दाएं हाथ के बल्लेबाजों की तरफ स्विंग कराया। प्रजापति को एक फुलर-लेंथ डिलीवरी पर आउट किया, जो देर से स्विंग हुई। इलियास को एक अनप्लेएबल इन-स्विंगिंग यॉर्कर का सामना करना पड़ा। ट्रम्पेलमैन हालांकि हैट्रिक नहीं बना पाए लेकिन उन्होंने अपने दूसरे ओवर में विकेटकीपर नसीम खुशी को 6 रन पर आउट कर दिया। ट्रम्पेलमैन की सनसनीखेज ओपनिंग के बाद नामीबिया मैच के तीसरे ओवर में 10 रन पर 3 विकेट खोकर लड़खड़ा रहा था।

रोहित आयरलैंड के खिलाफ मैच में बना सकते हैं एक रिकार्ड

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा इस बार टी20 में एक अहम रिकार्ड अपने नाम कर सकते हैं। रोहित विश्वकप में 3 छक्के लगाते ही अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे अधिक 600 छक्के लगाने वाले बल्लेबाज बन जाएंगे। इसके अलावा उन्हें टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 200 छक्के लगाने के लिए उन्हें केवल 10 छक्कों की जरुरत है।

भारतीय टीम टी20 विश्वकप में अपना पहला मैच आयरलैंड से 5 जून को खेलेगी। इस मुकाबले में रोहित के पास तीन छक्के लगाते ही अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 600 छक्के पूरे करने का अवसर है। इस समय उनके नाम 472 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 597 छक्के हैं। रोहित अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे अधिक छक्के लगाने के मामले में पहले नंबर पर हैं। इसके अलावा अगर वह 10 छक्के और लगा देते हैं तो उनके टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 200 छक्के हो जायंगे। रोहित के नाम अब तक टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 151 मैचों में 190 छक्के हैं।

टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे ज्यादा छक्के जड़ने वाले खिलाड़ियों की सूची में रोहित के बाद न्यूजीलैंड के ओपनर मार्टिन गप्टिल दूसरे नंबर पर हैं। गुप्टिल ने 122 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 173 छक्के लगाए हैं जबकि आयरलैंड के पॉल स्टर्लिंग के नाम 142 मैचों में 128 छक्के हैं। इसके अलावा ऑस्ट्रेलिया के ग्लेन मैक्सवेल के नाम 106 मैचों में 127 छक्के हैं। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सर्वाधिक छक्के जड़ने के मामले में रोहित के बाद वेस्टइंडीज के क्रिस गेल हैं। गेल ने 483 मैचों में 553 छक्के लगाए हैं जबकि पाकिस्तान के पूर्व ऑलराउंडर शाहिद अफरीदी के नाम 524 मैचों में 476 छक्के हैं।

टी20 विश्व कप : बारिश हुई तो सुपर आठ लेवल की शीर्ष टीम करेगी क्वालीफाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। वेस्टइंडीज और अमेरिका में हो रहे टी20 विश्व कप में केवल फाइनल के लिए रिजर्व दिन रखा गया है पर दोनो सेमीफाइनल के लिए कोई रिजर्व दिन नहीं है। ऐसे में अगर सेमीफाइनल में बारिश हुई तो सुपर आठ लेवल में टॉप पर रहने वाली टीम फाइनल के लिए क्वालीफाई कर लेंगी। 27 जून को गुयाना में दूसरा सेमीफाइनल मुकाबला होगा। वहीं पहला सेमीफाइनल 26 जून को त्रिनिदाद में होगा जो रात का मैच है जबकि गुयाना में दूसरा सेमीफाइनल 27 जून को होगा। दूसरा सेमीफाइनल भारतीय समयानुसार रात 8.30 से शुरू होगा जिसमें मौसम की गाज गिरने पर 250 मिनट का अतिरिक्त समय होगा।

पहले सेमीफाइनल को भी इसी तरह अतिरिक्त समय दिया जायेगा जो 26 जून को 60 मिनट और 27 जून को दोपहर दो बजे से 190 मिनट का होगा। फाइनल 29 जून को होगा जिसके लिए 30 जून को रिजर्व दिन होगा।

टी20 विश्व कप में खेलने की शर्तों के अनुसार रिजर्व दिन केवल 29 जून को बारबाडोस में होने वाले फाइनल के लिये रखा गया है।सभी मैचों में प्रत्येक पक्ष के लिए एक पारी होगी, प्रत्येक पारी अधिकतम 20 ओवरों तक सीमित होगी। सभी मैच एक दिन की निर्धारित अवधि के होंगे, बशर्ते कि किसी सीरीज या टूर्नामेंट में भाग लेने वाले देश रिजर्व डे के लिए सहमत हो सकते हैं। अगर ऐसा हुआ तो अधूरा मैच फिर से खेला जा सकता है या निर्धारित दिन से जारी रखा जा सकता है। यदि मैच को रिजर्व डे पर जारी रखना है तो मैच को निर्धारित दिन पर पूरा करने के लिए हर संभव प्रयास किया जाएगा और ओवरों में आवश्यक कमी की जाएगी। केवल तभी जब निर्धारित दिन पर मैच के लिए आवश्यक न्यूनतम ओवर नहीं फेंके जा सकें तो मैच को रिजर्व डे पर पूरा किया जाएगा।

केदार जाधव ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कहा

पुणे। क्रिकेटर केदार जाधव ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया है। केदार ने अपना अंतिम मैच चार साल पहले खेला और और तभी से वह टीम से बाहर चल रहे थे। केदार ने नवंबर 2014 में रांची में श्रीलंका के खिलाफ एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मुकाबले के साथ अंतरराष्ट्रीय पदार्पण किया था। वह 39 साल के थे। जाधव ने 73 एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय और 9 टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेले हैं। जाधव ने भारतीय टीम के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी के अंदाज में ही संन्यास की घोषणा की।

जाधव ने सोशल मीडिया में लिखा कि मेरे करियर के दौरान आपके प्यार और समर्थन के लिए धन्यवाद। मुझे क्रिकेट के सभी प्रारूपों से संन्यास लिया हुआ समझिए। जाधव रविवार को पुणे में शुरू हुई महाराष्ट्र प्रीमियर लीग में कोल्हापुर टस्कर्स की कप्तानी कर रहे हैं और उनकी पोस्ट से यह स्पष्ट नहीं होता कि वह इस टूर्नामेंट में आगे खेलेंगे या नहीं। जाधव ने 73 एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय में दो शतक और छह अर्धशतक की मदद से 42.09 के औसत से 1389 रन बनाए। उन्होंने नौ टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों की छह पारियों में 122 रन भी बनाए।

ऑस्ट्रेलिया जीत सकती है टी-20 विश्वकप : नासिर हुसैन

लंदन। इंग्लैंड क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान नासिर हुसैन ने कहा है कि इस बार टी-20 विश्वकप खिताब ऑस्ट्रेलिया जीतेगी। हुसैन के अनुसार इंग्लैंड की टीम को इस खिताब का प्रबल दावेदार नहीं माना जा सकता है क्योंकि उसका प्रदर्शन अभी उम्मीद के अनुरुप नहीं है। ये पूर्व कप्तान भारत और पाकिस्तान को भी जीत का बड़ा दावेदार नहीं मानता है। इससे पहले साल 2021 में ऑस्ट्रेलिया ने न्यूजीलैंड को हराकर पहली बार टी-20 विश्वकप जीता था। ऑस्ट्रेलिया ने खराब शुरुआत से उबरकर पिछले साल हुए एकदिवसीय विश्वकप में भी जीत दर्ज की थी। तब उसने भारतीय टीम को हराया था। अबतक सबसे ज्यादा बार टी-20 विश्वकप इंग्लैंड और वेस्टइंडीज ने दो-दो बार जीता है। इंग्लैंड ने साल 2010 और साल 2022 में खिताब जीता है। वहीं, वेस्टइंडीज ने साल 2012 और साल 2016 में टी-20 वर्ल्ड कप का खिताब जीता था। हुसैन के अनुसार ऑस्ट्रेलियाई टीम अच्छी लय में है और उसके पास अच्छे बल्लेबाज और गेंदबाज हैं जो किसी भी टीम को दबाव में ला सकते हैं।

हम विश्व कप में 200 का स्कोर भी चेज करने में आश्वस्त : राशिद खान

जॉर्जटाउन (गुयाना)। अफगानिस्तान के कप्तान राशिद खान ने सोमवार को कहा कि उनकी टीम अनुकूल परिणाम पाने के लिए गेंदबाजों पर निर्भर नहीं है और उनके बल्लेबाजों ने बड़े लक्ष्य हासिल करने के लिए आवश्यक कौशल और आत्मविश्वास विकसित कर लिया है। अफगानिस्तान अपने विश्व स्तरीय स्पिनरों पर निर्भर रहता है लेकिन अब उसके पास रहमानुल्लाह गुरबाज, इब्राहिम जादरान और अजमतुल्लाह उमरजई जैसे आक्रामक बल्लेबाज भी हैं। राशिद ने टी20 विश्व कप में युगांडा के खिलाफ होने वाले मैच की पूर्व संध्या पर कहा कि यह अतीत की बातें हैं जब हमारे बल्लेबाज थोड़ा संघर्ष करते थे और हमारे गेंदबाज मैच जीतने में अहम भूमिका निभाते थे। उन्होंने कहा कि बाद में हमारी टीम में कुछ युवा खिलाड़ी आए और उन्होंने अफगानिस्तान के लिए खेलने का मौका पाने के लिए कड़ी मेहनत की। इसके बाद उन्होंने दुनिया भर की लीग में खेलना शुरू किया जिससे वह बेहतर होते गए। राशिद ने कहा कि जीत दर्ज करने के लिए प्रतिभा, कौशल और सही मानसिकता का होना जरूरी है। उन्होंने कहा कि हमारी बल्लेबाजी ऐसी है जिसे देखकर हम कह सकते हैं कि अगर लक्ष्य 200 रन का है तो उसे भी हासिल किया जा सकता है। राशिद ने कहा कि हमारे पास उस तरह की क्षमता, कौशल और प्रतिभा है, जिससे हम लक्ष्य का पीछा करते हुए (सब कुछ) व्यक्त कर सकते हैं। टी20 क्रिकेट पूरी तरह से मानसिकता पर आधारित है। जब तक आपके पास हम ऐसा कर सकते हैं की मानसिकता और विश्वास हो तो फिर कुछ भी संभव है।

टी-20 विश्वकप में इस बार भारतीय टीम के ट्रंप कार्ड होंगे बुमराह

नई दिल्ली (एजेंसी)। टी-20 विश्वकप क्रिकेट में इस बार तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह भारतीय टीम के प्रमुख हथियार होंगे। बुमराह अपनी योर्कर गेंदों से विरोधी टीम के बल्लेबाजों के लिए मुश्किलें खड़ी कर देते हैं। बुमराह चोटिल होने के कारण पिछली बार टी-20 वर्ल्ड कप से बाहर थे पर उन्होंने 2023 में एकदिवसीय विश्व कप में शानदार प्रदर्शन किया था। आईपीएल के इस सत्र में भी वह जबरदस्त फार्म में नजर आये और उनके सामने रन बनाना बल्लेबाजी के लिए बेहद कठिन रहा। इसी कारण वेस्टइंडीज और अमेरिका में आयोजित हो रहे इस बार के टी-20 वर्ल्ड कप में उन्हें भारतीय टीम का ट्रंप कार्ड माना जा रहा है।

बुमराह की गेंदबाजी में कई विविधताएं हैं पर उनकी यॉर्कर गेंदबाजी सबसे खतरनाक मानी जाती है। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व तेज गेंदबाज ब्रेट ली का भी मानना है कि बुमराह की तरह

उन्होंने किसी अन्य गेंदबाज को सटीक यॉर्कर फेंकते हुए नहीं देखा है। वह कहते हैं कि बुमराह बिना रन दिए विकेट लेने वाली गेंद लगातार फेंक सकते हैं। बुमराह अपनी यॉर्कर का इस्तेमाल डेथ ओवर्स में भी काफी अच्छे से करते हैं। अमेरिकी पिचों के रुख को लेकर अभी संशय है और कोई नहीं जानता है कि वे किस प्रकार का व्यवहार करेंगी पर कहा जा रहा है कि पिचें धीमी होंगी ऐसे में विकेट लेने के लिए केवल तेज गति ही पर्याप्त नहीं रहेगी। है। वहां की पिचें कैसा बर्ताव करेंगी इसे लेकर किसी को भी ज्यादा जानकारी नहीं है हालांकि माना जा रहा है कि पिच धीमी होगी। बुमराह ने टी-20 इंटरनेशनल में अब तक 62 मैच में 74 विकेट लिए हैं। उनका औसत 19.66 और इकॉनमी 6.55 रही है।

बुमराह के अलावा भारतीय टीम में मोहम्मद सिराज और अर्शदीप सिंह को भी शामिल किया गया है और ये उनकी जोड़ीदार होंगे। ऐसे में बुमराह के साथ गेंदबाजी की शुरुआत कौन करेगा ये अभी तय नहीं है। दायें बाएं संयोजन को देखते हुए अर्शदीप सिंह को अवसर मिल सकता है।

टायसन और पॉल का मुकाबला टला

टेक्सास। पूर्व हैवीवेट मुक्केबाजी चैम्पियन माइक टायसन और यूट्यूबर जेक पॉल के बीच अगले माह होने वाला मुकाबला स्थगित कर दिया गया है। इसका कारण टायसन की सेहत ठीक नहीं होना बताया गया है। टायसन को मियामी से लॉस एंजिल्स जाते समय चक्कर आ गये थे। इसके बाद उन्हें इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया। तब जांच में पता चला की उन्हें अल्सर है। जिसके बढ़ने से उन्हें उड़ान में समस्याएं आई थीं। ऐसे में टायसन की रिंग में वापसी टल गयी है। डॉक्टरों के अनुसार पूर्व हैवीवेट चैंपियन अभी रिंग में उतरने की हालत में नहीं हैं।आयोजकों ने कहा कि डॉक्टरों ने उन्हें आने वाले सप्ताह में कम से कम ट्रेनिंग की सलाह दी है। इसी को लेकर आयोजकों ने कहा कि, एथलीट्स का स्वास्थ्य हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है और हम टायसन को फिटनेस के लिए जरूरी समय लेने में पूरी तरह से समर्थन करते हैं जिससे वह उस स्तर पर प्रदर्शन कर सकें जिसकी वह अपने से अपेक्षा करते हैं। बहरहाल ये मुकाबला स्थगित होने से रोमांचक भिड़ंत का इंतजार कर रहे उनके प्रशंसकों को जरुर झटका लगा है।

युवराज ने कहा अगर हम जीतते हैं तो भी पाक प्रशंसक पागल हो जाएंगे

मुम्बई (एजेंसी)। भारत और पाकिस्तान की क्रिकेट टीमों के बीच 9 जून को टी20 विश्वकप मुकाबला खेला जाना है जिसको लेकर प्रशंसकों में जबरदस्त उत्साह है। भारत-पाक के बीच मैच में प्रशंसकों का जुनून चरम पर रहता है। इसी को लेकर भारतीय टीम के पूर्व ऑलराउंडर युवराज सिंह ने भारत और पाकिस्तानी प्रशंसकों के बीच का अंतर बताया है।

युवराज ने इन मैचों के दौरान दोनो ही देशों के प्रशंसकों द्वारा बनाए गए अनोखे माहौल पर खुशी जताते हुए कहा, यह भावनाओं का खेल है। अगर हम जीतते हैं, तो हम पागल हो जाएंगे। अगर हम हारते हैं, तो हम पागल हो जाएंगे पर अगर हम जीतते हैं, तो भी वे हमारे साथ पागल हो जाएंगे। अगर हम हारते हैं, तो वे हमारे साथ पागल हो जाएंगे। यही अंतर है। उन्होंने इस तरह के उच्च-दांव वाले मैचों के दौरान भावनाओं को प्रबंधित करने के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा, चाहे वह भारत हो, पाकिस्तान हो या कोई और खेल, मुझे भरोसा है कि खिलाड़ी 100 फीसदी प्रयास करते हैं। बस मुझे हमेशा लगता है कि जो टीम उस दिन अपनी भावनाओं को बेहतर तरीके से नियंत्रित करती है और मैच की स्थिति पर ध्यान केंद्रित करती है वही जीतती है।

हाल के प्रदर्शनों पर विचार करते हुए युवराज ने कहा, पिछले कुछ वर्षों में हमारा रिकॉर्ड पाकिस्तान से अच्छा रहा है। उम्मीद है कि हम इसे जारी रख सकते हैं। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि मैं भारत-पाकिस्तान मैच देखने के लिए इतना नर्वस नहीं होऊंगा। मैंने टीवी पर देखा है, लेकिन कभी भारत-पाकिस्तान मैच देखने के लिए मैदान पर नहीं गया। यह मेरा पहला मौका होगा। युवराज अमेरिकियों को

एक शीर्ष वैश्विक क्रिकेट टूर्नामेंट की मेजबानी करते हुए और पहली बार इसमें खेलते हुए देखकर खुश हैं।

नॉर्वे शतरंज : अलीरेजा से हारे प्रज्ञाननंदा, कार्लसन को एकल बढ़त

स्टवांगर (नॉर्वे)। भारत के भाई बहन की जोड़ी आर प्रज्ञाननंदा और आर वैशाली को नॉर्वे शतरंज टूर्नामेंट छठे दौर में हार का सामना करना पड़ा जबकि मैग्नस कार्लसन ने खराब फॉर्म में चल रहे डिंग लिरेन को हराकर 12 अंकों के साथ एकल बढ़त हासिल कर ली। अमेरिका के फैबियानो कारूआना ने हमवतन हिकारू नाकामुरा को हराकर छह खिलाड़ियों के बीच डबल राउंड रॉबिन आधार पर खेली जा रही इस प्रतियोगिता में कार्लसन को बढ़त हासिल करने में मदद पहुंचाई। प्रज्ञाननंदा को क्लासिकल मैच में फ्रांस के फिरोजा अलीरेजा के खिलाफ थोड़ा संघर्ष करना पड़ा लेकिन वह इसके बाद आर्मगेडन टाईब्रेकर में हार गए। उनकी बहन वैशाली को चीन की विश्व महिला चैंपियन वेनजुन जू से हार का सामना करना पड़ा। अब जबकि चार दौर की बाजियां खेली जानी बाकी हैं तब शीर्ष पर काबिज कार्लसन के बाद नाकामुरा का नंबर आता है जिनके 11 अंक हैं जबकि प्रज्ञाननंदा 9.5 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर बने हुए हैं। अलीरेजा आठ अंकों के साथ चौथे और कारूआना 6.5 अंकों के साथ पांचवें स्थान पर हैं जबकि चीन के डिंग लीरेन अब तक केवल 2.5 अंक ही बना पाए हैं। महिलाओं के वर्ग में वेनजुन जू और अन्ना मुजिचुक ने वैशाली की जगह बढ़त हासिल कर ली है। वेनजुन जू और मुजिचुक दोनों के समान 10.5 अंक हैं जबकि वैशाली उनसे आधा अंक पीछे है। मुजिचुक ने चीन की टिंगजी लेई को आर्मगेडन टाईब्रेकर में हराया। लेई सात अंकों के साथ चौथे स्थान पर हैं। वह भारत की एक अन्य खिलाड़ी कोनेरू हंपी से दो अंक आगे है। हंपी को आर्मगेडन में स्वीडन की पिया क्रैमलिंग के हाथों एक और हार का सामना करना पड़ा। क्रैमलिंग के 4.5 अंक हैं और वह तालिका में सबसे निचले स्थान पर है।

इंडोनेशिया ओपन में खिताब बचाने उतरेंगे सात्विक और चिराग

जकार्ता (एजेंसी)। सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की स्टार भारतीय जोड़ी ओलंपिक को ध्यान में रखते हुए मंगलवार से यहां शुरू हो रहे इंडोनेशिया ओपन सुपर 1000 बैडमिंटन टूर्नामेंट में खिताब का बचाव करके अपने प्रदर्शन में निरंतरता बनाए रखने की कोशिश करेगी। भारत की शीर्ष वरीयता प्राप्त जोड़ी को पेरिस ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीतने का प्रबल दावेदार माना जा रहा है। इस सत्र में उनका प्रदर्शन अच्छा रहा है। उन्होंने चार प्रतियोगिताओं के फाइनल में प्रवेश किया जिनमें से वह फ्रेंच ओपन और थाईलैंड ओपन जीतने में सफल रहे।

थॉमस कप में हालांकि इंडोनेशिया और चीन के खिलाफ वह अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाए। इसके अलावा वह ऑल इंग्लैंड ओपन और पिछले सप्ताह सिंगापुर ओपन में शुरू में बाहर हो गए थे। सात्विक और चिराग पिछले साल इंडोनेशिया ओपन जीतकर सुपर 1000 टूर्नामेंट जीतने वाले पहले भारतीय बने थे। वे अब पिछले सप्ताह की गलतियों में सुधार करके पिछले साल का प्रदर्शन दोहराने की कोशिश करेंगे। उनका पहला मुकाबला मलेशिया के मैन वेई चोंग और काई वुन टी से होगा। ओलंपिक में दो बार की पदक विजेता पीवी सिंधू पर भी दबाव होगा जो पेरिस ओलंपिक से पहले आत्मविश्वास हासिल करना चाहेंगी।

मलेशिया ओपन के फाइनल में पहुंचने से उनका मनोबल बढ़ा होगा लेकिन खिताबी मुकाबले में चीन की वांग झी यी के खिलाफ 11-3 से आगे होने के बावजूद हारना चिंताजनक है। आन से यंग, ??चेन यू फी, अकाने यामागुची और कैरोलिना मारिन जैसी चोटी की खिलाड़ी मलेशिया ओपन में नहीं खेली थी लेकिन वे इंडोनेशिया ओपन में चुनौती पेश करेंगे और ऐसे में सिंधू के लिए राह आसान नहीं होगी। सिंधू अगर पहले दौर में चीनी ताइपे की वेन ची सू को हरा देती है तो फिर उन्हें मारिन का सामना करना पड़ सकता है जिनसे वह पिछले सप्ताह क्वार्टर फाइनल में हार गई थी।

पुरुष एकल में भारत की निगाह एचएस प्रणय और लक्ष्य सेन पर टिकी रहेगी। लक्ष्य जापान के कांता सुनेयामा के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेंगे। क्वार्टर फाइनल में पहुंचने पर उनका सामना मौजूदा ओलंपिक चैंपियन और शीर्ष वरीयता प्राप्त विक्टर एक्सेलसेन से हो सकता है जिनसे वह पिछले सप्ताह हार गए थे। इस सत्र में स्वास्थ्य संबंधी परेशानियों से जूझने वाले प्रणय पहले दौर में हमवतन प्रियांशु राजावत से भिड़ेंगे।

विश्व के पूर्व नंबर एक खिलाड़ी किदांबी श्रीकांत और किरण जॉर्ज भी अपनी चुनौती पेश करेंगे। पहले दौर में श्रीकांत का सामना चिको ऑरा ड्वी वार्डोयो से जबकि जॉर्ज का चीन के

वेंग होंग यांग से होगा। महिला युगल में ओलंपिक के लिए क्वालीफाई कर चुकी तनिषा क्रैस्टो और अश्विनी पोनप्पा की जोड़ी अपने अभियान की शुरुआत कनाडा की जैकी डेंट और क्रिस्टल लाई की जोड़ी के खिलाफ करेगी। त्रीसा जॉली और गायत्री गोपीचंद की एक अन्य भारतीय जोड़ी का सामना चीनी ताइपे की चेंग यू पेई और सुन यू हिंग से होगा।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

माँ के व्यवहार पर निर्भर है शिशु का तेज दिमाग

नई बनी मां कृपया ध्यान दें। क्या आप अपने लाड़ले से सकारात्मक सहयोग रखती हैं। यदि नहीं तो आज से अपने बच्चे के प्रति आप सहयोग की भावना रखें। ऐसा करने से आपके लाड़ले का दिमाग तेज रहेगा और जीवन भर तनाव से भी दूर रहेगा। यह बात हम नहीं बल्कि एक ताजा अध्ययन में कही गई है। वॉशिंगटन यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं द्वारा किए गए अध्ययन के मुताबिक जो महिलाएं अपने नवजात बच्चे के प्रति ज्यादा शिष्ट रहती हैं उनके बच्चों के दिमाग के हिप्पोकेंपस क्षेत्र में ज्यादा नर्व कोशिकाएं बनती हैं जिससे बच्चे का दिमाग तेज होता है। हिप्पोकेंपस का सीधा संबंध याददाश्त और भावना से होता है। हालांकि इस अध्ययन में यह साबित नहीं हो सका कि मां के व्यवहार से बच्चे का ब्रेन साइज बाद में बड़ा होता है लेकिन शोधकर्ताओं का कहना है कि मां का बच्चे के प्रति सकारात्मक व्यवहार ब्रेन के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। शोधकर्ताओं ने 92 बच्चों पर प्री-स्कूल से लेकर ग्रेड स्कूल तक अध्ययन किया। अध्ययन में शोधकर्ताओं ने बच्चों पर माता-पिता के सहयोग के स्तर का विश्लेषण किया। इसमें 7 से 13 साल तक के बच्चों को शामिल किया गया था। बच्चों को एक टास्क पूरा करने के लिए कहा गया। बच्चों के माता-पिता को इस अध्ययन के बारे में नहीं बताया गया था। इसके बाद बच्चों का ब्रेन स्कैन किया गया। अध्ययन में देखा गया कि जिन बच्चों के माता-पिता ने ज्यादा सहयोगात्मक दृष्टिकोण रखा उनमें तनाव का स्तर एकदम कम था। इसके अलावा इन बच्चों में हिप्पोकेंपस भी बड़ा देखा गया। अध्ययन में हालांकि यह भी देखा गया कि जिन बच्चों में पहले से तनाव के संकेत थे उनमें माता-पिता के इस सहयोग का ज्यादा असर नहीं पड़ा। प्रमुख शोधकर्ता प्रोफेसर जॉन लुबी के अनुसार इस असर का महत्व यह है कि ब्रेन के हिप्पोकेंपस में याददाश्त, भावनाओं का नियमन और तनाव का स्तर जुड़ा होता है। इसमें स्वस्थ सामाजिक मेलजोल की कुंजी छुपी है। उन्होंने कहा कि इस अध्ययन से शुरुआती माता-पिता के व्यवहार को सहयोगात्मक बनाने में मदद मिलेगी।

नोज पिन सौंदर्य में लगाए चार चांद

समय बदलता है तो उसके साथ ही फैशन भी बदलता है जो हमेशा कुछ नया लिए होता है। चाहे ड्रेसेज हों या ज्वैलरी, आए दिन इनमें कुछ नए ट्रेंड मिलते ही हैं। इस नएपन की चाल में हमारी बॉलीवुड एक्ट्रेसेज का बडा योगदान रहता है और वे जो कुछ भी नई चीज ट्राई करती हैं वही उस समय का फैशन बन जाता है। नोज पिन- हिंदी में इसे नथ कहते हैं व इसे पहनने की प्रथा बहुत पुरानी है। शादी में तो नथ को ही स्पेशल माना जाता है। फिर वह साइज में बड़ी हो या छोटी, पहननी ही पड़ती है। मुस्लिमों में तो लड़के वालों की तरफ से लड़की को गहने और कपड़ों के साथ नथ भी भेजी जाती है व लड़की जब नथ पहन लेती है तभी निकाह होता है। नोज पिन की वैराइटी नोज पिन कई वैराइटी में आने लगी हैं। ये आपको राउंड शेप में मिल सकती हैं, घुंघरू लगी नथ,नगों की लड़ी से सजी नथ, मल्टीकलर में स्टार शेप की नथ, अर्द्ध चंद्राकार नथ, बतख या रोज की आकृति की नथ, थ्री स्टोन नथ आदि-आदि कई आकार व प्रकार में सुलभ हो सकती हैं। इन नोज पिन को आज फैशन वर्ल्ड में एक अलग पहचान मिल रही है और मिले भी क्यों नहीं, इसे पहनने के बाद गर्ल्स हों या शादीशुदा महिलाएं, खुद को सेलिब्रिटी सा महसूस करती हैं। चाहे कोई लड़की कॉलेज जा रही हो या कोई विवाहिता किसी शादी या पार्टी में जा रही हो, चाहे उसने साड़ी पहनी हो या शलवार-कमीज या लहंगा-चोली, नोज पिन उनके सौंदर्य में चार चांद लगा देती है। लड़कियों में तो नोज पिन का केज बढ़ता ही जा रहा है। लाभ भी हैं नोज पिन के इसे पहनने से जुकाम या नाक संबंधी रोग कम ही होते हैं। नोज पिन से सूंघने की शक्ति तेज होती हैं। अक्सर पानी में काम करने वाली भी इसे आराम से पहन सकती हैं, उन्हें कफ आदि विकार कम होंगे।

फैशन में इन पेंसिल स्कर्ट और न्यूड शूज

नए और हॉट ट्रेंड के हिसाब से युवतियों की खास पसंद बन चुकी पेंसिल स्कर्ट अब पार्टीज से लेकर कॉलेज तक में दिखाई देने लगी है। वहीं न्यूड शेड के फुटवेयर का क्रेज तो सभी महिलाओं के सिर चढ़कर बोल रहा है। सेलिब्रिटीज भी आजकल इस ट्रेंड पर मोहित नजर आ रही हैं।

स्मार्ट और ट्रेंडी लुक के साथ ही पेंसिल स्कर्ट आपको एलीगेंट लुक भी देती है। चाहे सिंपल सफेद शिफॉन शर्ट के साथ पहनें या फिर प्रिंटेड टीशर्ट के साथ, यह स्कर्ट हर तरह से फबती है। इसे मुख्य तौर पर नी लेंथ तथा बैक स्लिट के साथ पहना जाता है। वैसे सामान्यतः पेंसिल स्कर्ट का उपयोग छरहरी काया वाली युवतियां ही ज्यादा करती हैं, लेकिन नी लेंथ वाली थोड़ी लूज फिटिंग की पेंसिल स्कर्ट ब्रॉड फ्रेम वालों पर भी बेहद जंचती है। नी लेंथ वाली पेंसिल स्कर्ट को आप पार्टीज या ऑफिस कहीं भी पहन सकती हैं।

कॉर्पोरेट ड्रेसिंग के तौर पर तो इसका प्रयोग बहुत आम है, वहीं फ्लाइट अटेंडेंट्स तथा हॉस्पिटलिटी जैसे प्रोफेशन से जुड़ी युवतियों के ड्रेस कोड में भी यह अक्सर शामिल होती है।

ऑफिस वेयर के हिसाब से जहां प्लेन पेंसिल स्कर्ट अच्छी लगती है, वहीं कैजुअल ड्रेस के तौर पर प्रिंटेड, स्ट्राइप्स वाली तथा कलरफुल स्कर्ट्स का उपयोग सहजता से किया जा सकता है। इसका मोटा फैब्रिक तथा फिटिंग आपको कॉन्फिडेंट बनाती हैं और स्मार्ट लुक देती हैं।

न्यूड शेड्स वे सारे शेड्स हैं, जो बेहद सादे और आपकी त्वचा की रंगत से मेल खाते हों। इनमें खाकी, ब्राउन, बैज आदि शामिल हो सकते हैं। साथ ही आजकल सिल्वर, मैटेलिक, ग्रे आदि रंगों को भी इनमें मिक्स करके एक नया इफेक्ट पैदा किया जाता है।

न्यूड शेड फुटवेयर की सबसे बड़ी खासियत यह है कि इसे किसी भी तरह के और किसी भी कलर-शेड के परिधान के साथ मैच किया जा सकता है। ये सलवार सूट के साथ भी उतने ही सुंदर दिखते हैं, जितने कि जींस या फिर शॉर्ट ड्रेस के साथ। यही नहीं इन्हें आप प्लेन या प्रिंटेड, किसी भी तरह के फैब्रिक के साथ पहन सकती हैं। यानी ये हर तरह से काम आते हैं।

अगर आपके कलेक्शन में एक पेयर न्यूड फुटवेयर का है तो आप इन्हें कई तरह से इस्तेमाल कर सकती हैं। न्यूड शेड में हाई हील सैंडल्स, शूज, बैलेरीना, फ्लैट्स या प्लेटफॉर्म कोई भी स्टाइल पैरों पर अच्छी लगती है। इन फुटवेयर्स का एक और महत्वपूर्ण पहलू यह है कि इनमें आपके पैर लंबे दिखाई देते हैं।

यही नहीं तीखे कलर वाले नेलपेंट के साथ यह और भी खूबसूरत दिखाई देते हैं। आजकल न्यूड के साथ रेड, ऑरेंज, गोल्ड तथा ऐसे ही भड़कीले रंगों का हल्का-सा टच देकर भी फुटवेयर बनाए जा रहे हैं, जो बेहद सुंदर दिखाई देते हैं।

स्प्रिंग सीजन में स्किन ब्यूटी

चंदन पीसकर उसमें कुछ बूंदें गुलाब जल मिलाकर लगाने से त्वचा को ठंडक पहुंचती है

- त्वचा यदि धूप के कारण झुलस गई हो तो खीरा, टमाटर तथा नींबू के रस को समान मात्रा में मिलाकर लेप करें तथा सूखने पर पुनः लगाएं, फिर धो डालें।
- प्रतिदिन नहाने से पहले शरीर के खुले हिस्सों पर दही लगाएं और 10 मिनट तक छोड़ दें और इसके बाद नहाएं।
- जैतून का तेल तथा सिरका बराबर मात्रा में लेकर उन्हें मिलाकर, नहाने के एक घंटे पहले शरीर पर लगाने से त्वचा कांतिमय हो जाएगी।
- एक छोटे खीरे का रस, आधा चम्मच ग्लिसरीन व एक चम्मच गुलाब जल मिलाकर झुलसी त्वचा पर लगाने से त्वचा नर्म पड़ जाती है।
- यदि तेज धूप से आपकी चमड़ी का रंग सांवला हो गया है तो कच्चे टमाटर को कुचलकर छाछ मिलाकर चेहरे और चमड़ी पर मलने से त्वचा को ठंडक मिलेगी।
- अलसी का तेल व नींबू का रस बराबर मात्रा में मिलाकर झुलसी त्वचा पर लगाने से काफी फायदा होता है।
- चिरौंजी कच्चे दूध में पीसकर मलाई एवं नींबू का रस मिलाकर चेहरे तथा बदन में लगाना गर्मियों में बहुत लाभदायक होता है।
- एक चम्मच मक्खन और एक चम्मच पानी मिलाकर फेंट लें। धूप से झुलसी त्वचा पर लगाएं राहत मिलेगी।
- 1/2 चम्मच बेसन में 2 चम्मच नींबू का रस व दही मिलाकर चेहरे, गर्दन व बाहों पर लगाएं, 20 मिनट बाद धो लें। गर्मी से राहत मिलेगी।
- एक चम्मच बेसन, एक चुटकी हल्दी, एक चम्मच कच्चा दूध व एक चम्मच गुलाब जल मिलाकर नियमित रूप से लगाने से त्वचा में निखार आता है।

दो लड़ाकू विमानों की आपात लैंडिंग

टोक्यो। जापान वायु आत्मरक्षा बल के दो एफ-35ए लड़ाकू विमानों की आज सुबह ही आपात लैंडिंग हुई है। जानकारी अनुसार सोमवार की सुबह उत्तरी जापान के आओमोरी हवाई अड्डे पर आपातकालीन स्थिति में एफ-35ए लड़ाकू विमानों को उतार लिया गया। स्थानीय मीडिया रिपोर्टों के हवाले से बताया गया है कि 03 जून की सुबह आओमोरी हवाई अड्डे पर दो विमानों की आपातकालीन लैंडिंग कराई गई और इसी के साथ ही रनवे को अस्थायी तौर पर बंद कर दिया गया था, जिसे कुछ देर बाद ही पुनः संचालित कर दिया गया। इस दौरान किसी हादसे या किसी के हताहत होने की कोई सूचना नहीं है।

दुर्घटना के बाद चलना हो गया था मुश्किल, जिद ने बना दिया चैंपियन, महिला जिम में व्यायाम के दौरान हुई थी हादसे का शिकार

साओ पाउलो। एक महिला वकील को एक भयानक जिम दुर्घटना से बचने के बाद कहा गया था कि वह शायद फिर कभी न चल पाएगी। लेकिन अब एक चैंपियन बॉडीबिल्डर बन गई है। 30 वर्षीय मार्सेल मेंडेस मैनकूसो एक उल्टे सिट-अप के लिए बार से नीचे लटक रही थी, जब वह फिसल गई और फर्श पर गिर गई और उसकी रीढ़ की हड्डी टूट गई। रीढ़ की हड्डी वाले इस तरह के हादसों में घायल शख्स के फिर से ठीक होने की संभावना काफी कुछ किस्मत के हवाले हो जाती है।मार्सेल ने बताया कि ब्राजील के साओ पाउलो में हुई भयावह दुर्घटना के बाद वह अपनी गर्दन के नीचे कुछ भी महसूस नहीं कर पा रही थी। मार्सेल को सर्जरी से गुजरना पड़ा। डॉक्टरों ने रीढ़ की हड्डी को मजबूत करने के लिए उसकी रीढ़ में एक टाइटेनियम प्लेट और छह स्क्रू लगाए। ऑपरेशन सफल रहा, डॉक्टरों ने मार्सेल और उसके परिवार को बताया कि वह शायद फिर कभी नहीं चल पाएगी।उसे अपनी उंगलियों को हिलाने में भी संघर्ष करना पड़ रहा था।

उसे जीवन की बुनियादी गतिविधियों को फिर से वस्तुओं को पकड़ना और उठाना सीखना पड़ा। लेकिन मार्सेल ने उम्मीद बनाए रखी और वह भयानक चोट से उबरने लगी। उसने फिर से अपनी हरकतों की प्रैक्टिस की। उसने खुद में चौंकाने वाला सुधार किया और जल्द ही अपने वर्कआउट रूटीन को जारी रखने के लिए जिम भी लौट आई।दो साल पहले ही उसने पेशेवर वेटलिफ्टिंग शुरू की थी। एक प्रभावित युवा जिम यूजर ने जोर देकर कहा कि उसे बॉडीबिल्डिंग चैंपियनशिप में भाग लेना चाहिए। शुरू में यह विचार थोड़ा अजीब लगा, लेकिन उसके ट्रेनर ने उसे बहुत सपोर्ट किया। नतीजे भी हैरान करने के साथ खुश करने वाले रहे और मार्केल अपनी पहली चैंपियनशिप में ओवरऑल विजेता बन गई। तब से मेहनती बॉडीबिल्डर ने कई बॉडीबिल्डिंग प्रतियोगिताओं में भाग लेते हुए तीन गोल्ड मेडल और एक ताज जीता है। मार्सेल अब आगामी जो वीडर के ओलंपिया एमेच्योर पुर्तगाल में भाग लेने की तैयारी कर रही हैं। बता दें कि आजकल जिम में लोगों के हादसों की खबरें कुछ ज्यादा ही आने लगीं हैं। जिम में होने वाली दुर्घटनाएं कहीं किसी को चलने फिरने तक के लिए मोहताज कर देती हैं तो किसी को दिल का दौरा ही ऐसा पड़ता है जिससे शख्स की जान ही चली जाती है।

श्रीलंका में भारी बारिश से आई बाढ़...10 लोगों की मौत

कोलंबो। श्रीलंका में भारी बारिश के कारण आई बाढ़ की वजह से सोमवार को स्कूल बंद कर दिए गए। प्रशासनिक अधिकारियों ने बताया कि बाढ़ और बारिश संबंधी अन्य घटनाओं में कम से कम 10 लोगों की मौत हो गई और छह अन्य लोग लापता हैं। शिक्षा मंत्रालय ने कहा कि स्कूलों को दोबारा खोलने को लेकर फैसला मौसम की स्थिति पर निर्भर करेगा। देश में रविवार से हुई मूसलाधार बारिश के कारण कई स्थानों पर भारी तबाही हुई है, जिसके चलते घरों, खेतों और सड़कों पर पानी भर गया है और अधिकारियों को ऐहतियात के तौर पर बिजली आपूर्ति रोकनी पड़ी है। आपदा प्रबंधन केंद्र के अनुसार राजधानी कोलंबो और सुदूर रतनपुरा जिले में छह लोगों की बहने और डूबने से मौत हो गई जबकि पहाड़ों से मिट्टी कट कर मकानों पर गिरने से तीन अन्य लोगों की जान चली गई। पेड़ गिरने से एक व्यक्ति की मौत हुई। रविवार से छह लोग लापता हैं। आपदा केंद्र ने कहा कि सोमवार तक 5,000 से अधिक लोगों को बचाव केंद्र ले जाया गया है और 400 मकान क्षतिग्रस्त हुए हैं। पीड़ितों को बचाने और भोजन व अन्य जरूरी सामान पहुंचाने के लिए नौसेना और थलसेना के जवानों को तैनात किया गया है। श्रीलंका में मई के मध्य में भारी मानसूनी बारिश होने के बाद से मौसम प्रतिकूल है। इससे पहले कई इलाकों में तेज हवाओं के चलते पेड़ उखड़ गए, जिसमें नौ लोगों की मौत हो गई।

गुब्बारे उड़ाने को लेकर दक्षिण और उत्तर कोरिया में ठनी.....शांति समझौता निलंबित

सियोल। दक्षिण कोरिया ने कचरे से भरे गुब्बारे उड़ाने के मामले को लेकर उत्तर कोरिया को दंडित करने के लिए दोनों देशों के बीच हुए शांति समझौते को निलंबित कर दिया। हालांकि उत्तर कोरिया गुब्बारे उड़ाने की अपनी हरकत पर लगाम लगाने को कह चुका है। लोगों द्वारा दक्षिण कोरिया में हाल ही में पर्चे बांटने के अभियान से नाराज उत्तर कोरिया ने बीते कई दिनों में पड़ोसी देश की ओर कचरे से भरे गुब्बारे उड़ाए थे। दक्षिण कोरिया ने कहा कि उ. कोरिया की इस हरकत के जवाब में वह कड़ा कदम उठाएगा। सोमवार को, दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति की राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद ने कहा कि परिषद ने वर्ष 2018 के अंतर-कोरियाई समझौते को निलंबित करने का फैसला किया है। इस समझौते का उद्देश्य दोनों कोरियाई देशों के बीच आपसी विश्वास बहाल होने तक सीमावर्ती शत्रुता को कम करना था। सुरक्षा परिषद ने कहा कि समझौते के निलंबन से दक्षिण कोरिया को उत्तर कोरिया की सीमा के पास सैन्य अभ्यास फिर से शुरू करने और पड़ोसी मुल्क के उकसावे पर प्रभावी एवं तत्काल प्रतिक्रिया करने की अनुमति मिलेगी। परिषद के मुताबिक, समझौते के निलंबन पर एक प्रस्ताव मंगलवार को कैबिनेट परिषद में मंजूरी के लिए पेश किया जाएगा।

हिंसक भीड़ के हमले से घायल बुजुर्ग ईसाई व्यक्ति की मौत

लाहौर। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में ईशनिंदा के आरोप में पिछले सप्ताह हिंसक भीड़ के हमले में घायल एक बुजुर्ग ईसाई व्यक्ति की मौत हो गई है। कट्टरपंथी इस्लामी संगठन तहरीक-ए-लब्बैक पाकिस्तान (टीएलपी) के कार्यकर्ताओं के नेतृत्व में उग्र भीड़ ने 25 मई को ईसाई समुदाय के सदस्यों पर हमला किया था, जिसमें दो ईसाई और 10 पुलिसकर्मी घायल हो गए। हमला लाहौर से लगभग 200 किलोमीटर दूर मुजाहिद कॉलोनी में हुआ था।

जर्मनी में भारी बारिश के बाद ड्रोन से ली गयी तस्वीरें।

जहां उतरा भारत का चंद्रयान-3... वहीं पहुंच गया चीन

बीजिंग। चांद पर जहां भारत के चंद्रयान-3 ने झंडे गाड़े थे, अब वहां चीन भी पहुंच गया है। चीन का मून अंतरिक्ष यान चंद्रमा के एक सुदूर हिस्से में उतर गया। चीन का यह 'चंद्रयान' मिट्टी और चट्टान के नमूने एकत्रित करने के लिए भेजा गया है। यह चीन का अपनी तरह का पहला प्रयास है। चीन के राष्ट्रीय अंतरिक्ष प्रशासन के अनुसार, चांग'ए-6 मानव इतिहास में पहली बार दक्षिणी ध्रुव-एटकेन बेसिन नामक एक विशाल गड्ढे में बीजिंग के स्थानीय समयानुसार, सुबह छह बजकर 23 मिनट पर उतरा। चांग'ए-6 में एक ऑर्बिटर, एक रिटर्नर, एक लैंडर और एक आरोहक है। इस मिशन का नाम चीन की पौराणिक चंद्रमा देवी के नाम पर रखा गया है।

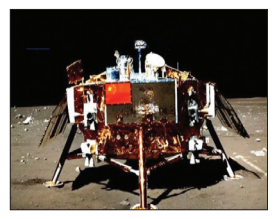

यह चीन का पहला प्रयास

मीडिया के मुताबिक सबसे जटिल प्रयास में से एक चंद्रमा की सतह पर उतरने के लिए बाधाओं का पता लगाने के लिए एक स्वायत्त दृश्य बाधा निवारण प्रणाली का इस्तेमाल किया गया। एक लाइट कैमरा ने चंद्रमा की सतह पर उजाले और अंधेरे के आधार पर अपेक्षाकृत सुरक्षित उतरने के लिए एक स्थान का चयन किया। चांग'ए-6 मिशन को चंद्रमा के सुदूर हिस्से से नमूने एकत्रित करके लौटने का जिम्मा दिया गया है जो अपने आप में पहला प्रयास है।

लो... ड्रैगन ने भी मान लिया, आएगा तो मोदी

-पाकिस्तान सरकार में बढ़ी चिंता

बीजिंग (एजेंसी)। भारत में चुनाव खत्म हो गए लेकिन चुनाव पर पूरी दुनिया की नजर लगी हुई है। अमेरिका, रूस, चीन सभी देश नतीजों का इंतजार कर रहे हैं। इतना ही नहीं जिस चीन ने साल 2014 में मोदी का मजाक उड़ाया था, वहां चीन कह रहा है कि पीएम मोदी ही फिर से भारत की सत्ता संभालने वाले हैं। पाकिस्तान में जहां एक ओर घबराहट है, वहीं चीन के सुर भी अब बदले नजर आ रहे हैं। मोदी के हैट्रिक के अनुमान पर चीन ने अपनी प्रतिक्रिया देकर दोस्ती की बातें कही है। एग्जिट पोल के नतीजों पर चीन के सरकारी मीडिया ने एक लेख लिखा है। एग्जिट पोल से पता चलता है कि भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यालय में लगातार तीसरी बार जीतने की संभावना है, चीनी विशेषज्ञों ने कहा कि मोदी की समग्र घरेलू और विदेशी नीतियों में निरंतरता बनी रहेगी। उनसे देश की आर्थिक वृद्धि को बढ़ावा देने के अपने प्रयासों में बने रहने की उम्मीद है। विश्लेषकों ने द्विपक्षीय संबंधों को स्वस्थ और स्थिर विकास की राह पर वापस लाने के लिए मतभेदों को दूर करने के लिए खुले संचार को बनाए रखने के लिए चीन के साथ सहयोग करने के महत्व पर जोर दिया।

हालाँकि कई रिपोर्ट में आगाह किया कि एग्जिट पोल हमेशा सटीक नहीं होते। लेकिन समाचार ने कहा कि 73 वर्षीय मोदी और उनकी पार्टी, भाजपा को लगातार तीसरी बार सत्ता बरकरार रखने की उम्मीद है। अनुसंधान निदेशक कियान फेंग ने कहा कि मोदी भारत के लिए निर्धारित घरेलू और विदेश नीति के उद्देश्यों को आगे बढ़ाना जारी रखेंगे, जिसमें देश को कुछ वर्षों के भीतर अमेरिका और चीन के बाद दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में आगे बढ़ाने पर जोर दिया जाएगा।

चीन के बड़े थिंक टैंक सेंटर फॉर चाइना एंड ग्लोबलाइजेशन की रिपोर्ट के अनुसार चीन इस बात को लेकर टेंशन में है कि अब मोदी राज में भारत दक्षिण चीन सागर के देशों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर चलेगा। चीन को इस बात की भी टेंशन है कि भारत के इस कदम से चीन को रणनीतिक हितों का भी नुकसान होगा।

भारत का एक और पड़ोसी चीन की गोद में बैठने को दिख रहा तैयार , दिल्ली के लिए चिंता का विषय

ढाका। भारत के लिए बांग्लादेश एक भरोसेमंद पड़ोसी देश रहा है। बांग्लादेश हमेशा से भारत को अपना अच्छा दोस्त कहता रहा है लेकिन इन दोनों दोस्तों में एक तीसरे देश चीन की एंट्री हो गई है, जिसने तेजी से बांग्लादेश में खुद को मजबूत किया है। चीन बांग्लादेश को अपनी ओर खींचने की कोशिश कर रहा है और उसकी कोशिशों का असर भी दिख रहा है। पाकिस्तान में चीन का प्रभाव जगजाहिर है ही, श्रीलंका, नेपाल, मालदीव जैसे दूसरे पड़ोसी देशों में भी उसने हालिया सालों में खुद को तेजी से स्थापित किया है। बांग्लादेश की बात की जाए तब एक पनडुब्बी बेस, 5 अरब डॉलर की सहायता, भारत के सिलीगुड़ी गलियारे के करीब बुनियादी ढांचा परियोजनाएं, हथियार और ढाका के साथ सैन्य अभ्यास कर चीन ने भारत को साफ संकेत दे दिया है कि वह क्षेत्र में अपना दबदबा बढ़ाने पर काम कर रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक, बांग्लादेश खासतौर से बीते कुछ सालों में चीन की ओर चला गया है। इसमें सिलीगुड़ी कॉरिडोर की बात की जाए तब इसकी तैयारी चीन ने काफी पहले शुरू कर दी थी। चीन ने तत्कालीन बांग्लादेश के राष्ट्रपति जनरल इरशाद को 1987 में बीजिंग में बयान देने के लिए मजबूर किया कि वह समदुरोंग चू घटना की पृष्ठभूमि में भारतीय सेना को बांग्लादेशी क्षेत्र के माध्यम से उत्तर-पूर्व भारत में प्रवेश की अनुमति नहीं देगा।

कोई भी ताइवान को चीन से अलग करने की हिमाकत करेगा तो उसकी खैर नहीं

-चीन के रक्षा मंत्री डोंग ने दी धमकी, फिलिपींस-अमेरिका को लेकर चीन गुस्से में

सिंगापुर। चीन के रक्षा मंत्री डोंग जून ने चेतावनी दी कि उनकी सेना ताइवान की स्वतंत्रता को रोकने के लिए तैयार है। सिंगापुर में आयोजित शांगरी-ला संवाद में चीनी रक्षा ने कहा कि जो कोई भी ताइवान को चीन से अलग करने की हिमाकत करेगा, उसे टुकड़ों में कुचल दिया जाएगा और उसका विनाश होगा। इसके साथ ही उन्होंने अमेरिका के साथ सैन्य कम्युनिकेशन की अहमियत पर भी जोर दिया। डोंग का यह बयान अमेरिकी रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन से मुलाकात बाद आया।

डोंग ने कहा कि आदान-प्रदान और सहयोग के लिए रास्ते खुले हैं, लेकिन इसके लिए दोनों पक्षों को एक-दूसरे से मिलना होगा। ज्यादा आदान-प्रदान की जरुरत है क्योंकि हमारी दोनों सेनाओं के बीच मतभेद हैं। ताइवान के पास हाल ही में चीन का बड़ा युद्ध अभ्यास करने के बाद चीन का नया आक्रामक रुख सामने आया है। ताइवान के राष्ट्रपति कार्यालय ने चीनी अधिकारियों के बयान को तर्कहीन बताया और कहा कि वह ताइवान स्ट्रेट में शांति और स्थिरता के लिए पूरी कोशिश करेगा।

दक्षिण चीन सागर पर फिलीपींस के जहाजों के साथ टकराव पर चीन ने कहा कि संयम की सीमा होती है। चीनी रक्षा मंत्री ने कहा कि चीन ने अधिकारों के उल्लंघन और उकसावे के सामने पर्याप्त संयम बनाए रखा है, लेकिन इसकी सीमाएं हैं। हम किसी को भी अपने क्षेत्र में संघर्ष या युद्ध भड़काने की इजाजत नहीं देंगे। चीन फिलिपींस के साथ अमेरिका के गहरे रक्षा संबंधों को लेकर भी गुस्से में है।

डोंग ने कहा कि ताइवान को हथियार बेचने और अवैध आधिकारिक संपर्क रखने के लिए बाहरी हस्तक्षेप की आलोचना की। डोंग का इशारा साफ तौर पर अमेरिका की तरफ था, जो ताइवान के साथ गहरे अनौपचारिक संबंध रखता है। 2022 में अमेरिकी कांग्रेस की हाउस स्पीकर नैंसी पेलोसी ने ताइवान का दौरा किया था, जिस पर चीन भड़क गया था।

यूएनएससी का अस्थायी मेंबर बनने के करीब पाकिस्तान... भारत के रुख पर नजर

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान का संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) का अस्थायी मेंबर बनना करीब तय है। पाकिस्तान को 2025-2026 की अवधि के लिए चुना जाएगा। पाकिस्तान की सदस्यता का ऐलान 06 जून को हो सकता है। पाकिस्तान अगर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के अस्थायी सदस्य के रूप में निर्विरोध निर्वाचित निर्वाचित होता है, तब यह उसका यूएनएससी में 8वां कार्यकाल होगा। पाकिस्तान करीब एक दशक बाद यूएनएससी में वापसी करेगा। पाकिस्तान आखिरी बार 2013 में यूएनएससी में अस्थानी सदस्य के तौर पर शामिल था। पाकिस्तान के आने से भारत की भी चिंता बढ़ सकती है। क्योंकि चीन यूएनएससी का स्थायी सदस्य है। इसके बाद चीन और पाकिस्तान भारत के खिलाफ मोर्चेबंदी कर सकते हैं। पाकिस्तान और भारत दोनों संयुक्त राष्ट्र के भीतर एशिया-प्रशांत समूह के सदस्य हैं, जिनकी सुरक्षा परिषद में दो सीटें हैं। समूह में 50 से अधिक सदस्य हैं जो परिषद की सदस्यता के लिए घूर्णी पद्धति का पालन करते हैं। इसका मतलब यह है कि भारत और पाकिस्तान भी समूह के उम्मीदवार के रूप में एक-दूसरे को वोट देते हैं। इसकारण 2019 में पाकिस्तान ने भारत का समर्थन किया और इस साल भारत के पाकिस्तान का समर्थन करने की उम्मीद है। पाकिस्तान ने इस साल की शुरुआत में ही दो साल के कार्यकाल के लिए संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में गैर-स्थायी सीट हासिल करने के लिए कवायद शुरू कर दी थी। मार्च में पाकिस्तान के स्थायी प्रतिनिधि राजदूत मुनीर अकरम ने इसके लिए अपनी उम्मीदवारी की औपचारिक घोषणा की थी। पाकिस्तान ने अपनी उम्मीदवारी का ऐलान करते हुए अंतरराष्ट्रीय समुदाय से समर्थन की मांगते हुए कहा था कि उसकी ओर से अंतरराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा के लिए यूएनएससी के उद्देश्य में सार्थक योगदान दिया जाएगा। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में 5 स्थायी और 15 अस्थायी सदस्य होते हैं। अस्थायी सदस्यों का चुनाव दो वर्ष के लिए होता है। अस्थायी सदस्य देशों को चुनने का उद्देश्य सुरक्षा परिषद में क्षेत्रीय संतुलन कायम करना है। इसमें पांच सदस्य एशियाई या अफ्रीकी देशों से, दो दक्षिण अमेरिकी देशों से, एक पूर्वी यूरोप से और दो पश्चिमी यूरोप या अन्य क्षेत्रों से चुने जाते हैं। अफ्रीका और एशिया महाद्वीप के लिये निर्धारित पांच सीटों में से तीन सीट अफ्रीका के लिये और दो सीट एशिया के लिये रखी गई हैं। मूल रूप से सुरक्षा परिषद में 11 सदस्य थे, इस साल 1965 में बढ़ाकर 15 कर दिया गया।

क्या मंडेला के देश में पहली बार बनेगी गठबंधन सरकार

-पहली बार किसी भी दल को पूर्ण बहुमत नहीं

केपटाउन (एजेंसी)। दक्षिण अफ्रीका के हालिया चुनाव के परिणामस्वरूप एक महत्वपूर्ण बदलाव आया है। अफ्रीकी राष्ट्रीय कांग्रेस (एएनसी), 1994 में देश को रंगभेद से मुक्त कराया था। लेकिन 30 साल बाद पार्टी को बहुमत प्राप्त नहीं हो सका है। इसके बावजूद एएनसी सबसे बड़ी पार्टी बनी हुई है। हालाँकि, किसी भी पार्टी को बहुमत हासिल नहीं होने के की वजह से दक्षिण अफ्रीका के राजनीतिक नेता अब सरकार बनाने के लिए गठबंधन वार्ता में लगे हुए हैं। एएनसी के लंबे समय से चले आ रहे प्रभुत्व को देखकर यह देश के लिए एक नया अनुभव है। पिछले सप्ताह के चुनाव के बाद चार प्रमुख राजनीतिक दल हैं और करीब आठ के पास पर्याप्त वोट शेयर हैं, जिससे स्थिति काफी पेंचिदा हो गई है।

कभी नेल्सन मंडेला के शिष्य रहे 71 वर्षीय रामफोसा को एएनसी के इतिहास में सबसे खराब चुनाव परिणाम देखने को मिला है। रामफोसा पर पार्टी के साथ-साथ मतदाताओं का भी दबाव है, लेकिन 2 जून को जब अधिकारी ने उन्हें बुझा हुआ राष्ट्रपति बताया, तब हंसते हुए रामफोसा ने कहा कि मैं अभी तक नहीं बुझा हूं। रामफोसा की चुनौती अपनी पार्टी को उस गठबंधन की ओर ले जाना है जिसे वह एएनसी के भीतर विभिन्न गुटों के बीच सबसे अच्छा मानते हैं। स्पष्ट विकल्प मुख्य विपक्षी डेमोक्रेटिक गठबंधन है। किन डीए वर्षों से एएनसी की नीतियों की तीखी आलोचना करता रहा है और ये मेल इतना भी आसान नहीं होगा। भले ही दोनों ने कहा हो कि वे चर्चा के लिए तैयार हैं।

दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति सिरिल रामाफोसा ने सभी राजनीतिक दलों से अपने मतभेदों को दूर कर देश में राष्ट्रीय गठबंधन की पहली सरकार बनाने के लिए साझा आधार तलाशने का आह्वान किया। दक्षिण अफ्रीका में चुनाव के अंतिम नतीजों की घोषणा की गई, जिसमें यह साफ हो गया कि किसी दल को बहुमत नहीं प्राप्त हुआ है। उसके बाद से ही अफ्रीका की सबसे उन्नत अर्थव्यवस्था के लिए आगे का रास्ता खोजने के लिहाज से गठबंधन बनाने की बातचीत शुरू हो गई। रामाफोसा की अफ्रीकन नेशनल कांग्रेस मतगणना में 50 फीसदी मत के आंकड़े को पार नहीं कर सकी। एएनसी पिछले 30 वर्ष से सत्ता के केंद्र में रही थी और बहुमत प्राप्त करती आ रही थी। एएनसी को पिछले सप्ताह हुई अंतिम मतगणना में करीब 40 फीसदी मत प्राप्त हुए।

48 वर्षीय स्टीनहुइज़न डीए के प्रमुख के रूप में मुख्य विपक्षी नेता हैं और चार मुख्य पार्टियों में एकमात्र श्वेत नेता हैं। उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी एमके और ईएफएफ को छोड़कर विभिन्न दलों के साथ बातचीत शुरू कर रही है। डीए ने वहां एक रेखा खींच दी है और कहा है कि वह वैचारिक मतभेदों को लेकर उन दोनों के साथ कभी काम नहीं करेगा। स्टीनहुइसेन के डीए और रामफोसा के एएनसी को एक साथ लाना विश्लेषकों द्वारा व्यापक रूप से सबसे स्थिर गठबंधन विकल्प के रूप में देखा जाता है।

डोनाल्ड ट्रंप अब टिकटॉक में हुए शामिल, 30 लाख फॉलोअर्स बने

वाशिंगटन। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अब टिकटॉक में शामिल हो गए, जिसे उन्होंने राष्ट्रपति के रूप में राष्ट्रीय सुरक्षा के आधार पर प्रतिबंधित करने की कोशिश की थी। जिससे उनके 30 लाख फॉलोअर्स बन गए हैं। ट्रंप ने एक वीडियो पोस्ट में कहा कि यह उनके लिए सम्मान की बात है, इसमें रिपब्लिकन पार्टी के संभावित राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार को अमेरिकी राज्य न्यू जर्सी के सबसे अधिक आबादी वाले शहर नेवार्क में एक अल्टीमेट फाइटिंग चैंपियनशिप गेम में दर्शकों की ओर हाथ हिलाते हुए दिखाया गया है। ट्रम्प ने आज तक 30 लाख से ज्यादा फॉलोअर्स को आकर्षित किया है। उनकी पहली पोस्ट को 12 घंटों में करीब 3 करोड़ 30लाख बार देखा गया और अब 20 लाख 90 हजार से ज्यादा लाइक्स मिले हैं। ट्रम्प वर्तमान में संघीय और स्थानीय स्तर पर आपराधिक और नागरिक मुकदमों में उलझे हुए हैं। गुरुवार को न्यूयॉर्क में एक जूरी ने ट्रम्प को 2016 में एक पोर्न स्टार को गुप्त धन के भुगतान को छिपाने के लिए दोषी माना था। इसके बाद वह अमेरिकी इतिहास में किसी अपराध के लिए दोषी ठहराए गए पहले पूर्व राष्ट्रपति बन गए हैं।

दोस्ती में दरार: चीन ने रुस को दिखाया असली चेहरा बोला- गैस सस्ते में दो नहीं तो....

मास्को (एजेंसी)। रुस और चीन की दोस्ती को अभी ज्यादा समय नहीं हुआ है। अपनी दोहरी नीति के चलते चीन पहले से ही बदनाम है। इसके बाद भी रुस ने चीन पर भरोसा करके दोस्ती का हाथ बढ़ा दिया। इसी बीच चीन ने अपना असली चेहरा दिखाते हुए चीन की सरकार ने रूस की मजबूरी का फायदा उठाते हुए साइबेरिया-2 गैस पाइपलाइन के बदले में सस्ती दर पर गैस की मांग कर डाली। यही नहीं चीन ने यह भी कहा था कि वह बहुत कम गैस खरीदेगा। चीन की इस अनुचित मांग के आगे रूस ने झुकने से इंकार कर दिया जिससे अब यह डील लटक गई है। रूस को उम्मीद थी कि यूरोप के गैस नहीं लेने से जो उसे नुकसान हो रहा है, वह कमी वह चीन से पूरा कर लेंगे लेकिन ऐसा हुआ नहीं। इसी उम्मीद में हाल ही में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने पद संभालने के ठीक बाद चीन की यात्रा भी की थी। रूस को उम्मीद थी कि इस डील से उसकी कंपनी गजप्राम को लाइफलाइन मिल जाएगा।

यूक्रेन युद्ध के बाद रूस और चीन बिना किसी लिमिट वाली दोस्ती का दावा करते हैं लेकिन इस ड्रैगन की इस नापाक चाल से इस बड़े दावे की पोल खुल गई है। रिपोर्ट के मुताबिक चीन के इस सख्त रुख से साफ हो गया है कि यूक्रेन युद्ध के बाद अब रूस आर्थिक सहायता के लिए बुरी तरह से चीन पर निर्भर हो गया है। चीन ने धौंस दिखाते हुए रूस से कहा है कि वह उसे लगभग उसी दर पर गैस की सप्लाई करे जिस दर पर वह अपने देश की जनता को गैस बेचते हैं। यही नहीं चीन ने यह भी कहा कि वह केवल थोड़ी मात्रा में ही गैस खरीदेगा। वहीं रूस की योजना है कि इस गैस पाइपलाइन से हर साल 50 बिलियन क्यूबिक मीटर गैस की सप्लाई की जाए। सूत्रों के मुताबिक पुतिन की पिछले महीने चीन की यात्रा के दौरान गैस डील को लेकर चल रहे गतिरोध की वजह से गजप्राम के चीफ बीजिंग नहीं गए थे। इसके बदले में वह ईरान चले गए थे। बताया जा रहा है कि शी जिनपिंग के साथ मुलाकात के दौरान पुतिन ने तीन मुख्य अनुरोध किया था। इसमें एक गैस डील भी शामिल था। इसके अलावा पुतिन चाहते हैं कि चीनी बैंकों की गतिविधियां रूस में बढ़ें और चीन यूक्रेन की ओर से इस महीने आयोजित शांति सम्मेलन से दूर रहे। चीन ने ऐलान किया है कि वह यूक्रेन के शांति सम्मेलन में शामिल नहीं होगा। शांति सम्मेलन पर जहां चीन ने रूस का साथ दे दिया है, वहीं इसके बदले में गैस डील में रूसी मजबूरी का फायदा उठाना शुरू कर दिया है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

लोकसभा के एग्जिट पोल से साफ हो रही इन तीन राज्यों की विधानसभा तस्वीर

नई दिल्ली । (एजेंसी)

लोकसभा चुनाव में मतदान के बाद एग्जिट पोल में फिर केंद्र में मोदी सरकार के सत्ता में लौटने का अनुमान जाहिर किया गया है। इतना ही नहीं इन एग्जिट पोल में इस साल के आखिरी में होने वाले राज्यों महाराष्ट्र, हरियाणा और झारखंड के विधानसभा चुनावों की दिलचस्प तस्वीर दिख रही है। एग्जिट में महाराष्ट्र में एनडीए को 30 और इंडिया ब्लॉक को 18 सीटें मिलने का अनुमान है। शिवसेना और एनसीपी के दो गुटों के कारण एनडीए को करीब 11 सीटों का नुकसान उठाना पड़ सकता है। जहां बीजेपी को 21 और शिवसेना (शिंदे गुट) को 9 सीटें मिलने की उम्मीद है, वहीं उद्धव ठाकरे वाली शिवसेना को 10 सीटें मिल सकती हैं। कांग्रेस और एनसीपी (शरद पवार गुट) को 4-4 सीटों पर जीत मिल सकती है। इससे इंडिया ब्लॉक में टेंशन भी बढ़ सकती है, क्योंकि एनसीपी और कांग्रेस के वोट ठाकरे की पार्टी को मिल रहे हैं, लेकिन ठाकरे गुट के वोट एनसीपी-कांग्रेस को नहीं जा रहे हैं।

वोट शेयर के हिसाब से एनडीए को 46 फीसदी (-5त्न) और इंडिया ब्लॉक को 43 फीसदी (+11त्न) वोट मिलने का अनुमान है। एग्जिट पोल के अनुमानों से साफ होता है कि विधानसभा चुनाव में बाजी बराबर की है और लोकसभा ट्रेंड्स एनडीए और इंडिया ब्लॉक को कोई फायदा नहीं दे रहा है। हालांकि, इससे पता चलता है कि बीजेपी कोई आसान चुनौती पेश नहीं करने वाली है।

एग्जिट पोल के मुताबिक, हरियाणा में एनडीए को 7 और इंडिया ब्लॉक को तीन सीटें मिलने की उम्मीद है। इसका मतलब हुआ कि पिछली बार से एनडीए को इस बार तीन सीटों का नुकसान होता दिख रहा है। हालांकि, ये नुकसान उतना भी नहीं है, जितना विपक्ष दावा कर रहा है। माना जा रहा है कि जाट समुदाय की नाराजगी का फायदा इंडिया ब्लॉक को मिला है। दोनों ही गठबंधनों के वोट शेयर में बहुत ज्यादा अंतर भी नहीं दिख रहा है। एनडीए को 48 फीसदी (-10 फीसदी) और इंडिया ब्लॉक को 44 फीसदी (+10 फीसदी) वोट मिलने का अनुमान है। जननायक जनता पार्टी और बाकी छोटी पार्टियों को 7 फीसदी से भी कम वोट मिलने की संभावना है।

उम्मीद है कि कांग्रेस एंटी-बीजेपी वोटों को एकजुट करने और जाट वोटरों को अपनी ओर खींचने में कामयाब होगी। विधानसभा चुनाव में मोदी फैक्टर के काम न कर पाने के कारण बीजेपी को और नुकसान होने की संभावना है। कांग्रेस को इन दो फैक्टरों से उम्मीद है।

झारखंड में एनडीए को 9 और इंडिया ब्लॉक को 5 सीटें मिलने का अनुमान है। पिछली बार के मुकाबले एनडीए को 3 सीटों का नुकसान उठाना पड़ सकता है। एनडीए को 50 फीसदी (-6त्न) और इंडिया ब्लॉक को 41 फीसदी (+9त्न) वोट शेयर मिलने की उम्मीद है। इसकारण हेमंत सोरेन की गिरफ्तारी के बाद उनके प्रति सहानुभूति, बीजेपी के कई मौजूदा सांसदों के प्रति एंटी-इंकम्बेंसी लहर और इंडिया ब्लॉक (झारखंड मुक्ति मोर्चा-कांग्रेस) के पक्ष में अनुसूचित जनजाति के वोटों (26 फीसदी) का एकजुट होना है। लोकसभा चुनाव में इंडिया ब्लॉक के वोट शेयर में सुधार बताता है कि झारखंड में विधानसभा चुनाव दिलचस्प होने वाला है।

ओडिशा में लू से 99 लोगों की मौत!

-20 मामलों की पुष्टि कलेक्टरों ने पोस्टमार्टम के बाद की

भुवनेश्वर। (एजेंसी)

देश के कई राज्यों में भीषण गर्मी और लू का कहर जारी है जिसमें कई लोगों की जान जा चुकी है। वहीं ओडिशा में पिछले 72 घंटों में सनस्ट्रोक से करीब 99 लोगों की मौत के मामले सामने आए हैं। इन 99 मामलों में से 20 मामलों की पुष्टि कलेक्टरों ने की गई है। मौत की पुष्टि कलेक्टरों ने पोस्टमार्टम और जांच के बाद की गई है। हालांकि, दो कथित मामले सनस्ट्रोक के नहीं है। विशेष राहत आयुक्त के मुताबिक पिछले 72 घंटों में कलेक्टरों ने सनस्ट्रोक से कथित 99 मौत के मामलों की जानकारी दी गई थी जबकि इन सभी मामलों में से सनस्ट्रोक से 20 लोगों की मौत की पुष्टि की गई है। इस गर्मी में 141 कथित सनस्ट्रोक से मौत के मामले दर्ज किए गए हैं, जिसमें से 26 मामलों की पुष्टि सनस्ट्रोक (लू) के कारण हुई और 8 मामले लू के कारण नहीं हैं। अभी इस मामले में कलेक्टरों के पास 107 कथित मामले जांच के लिए लंबित हैं। वहीं, 30 मई को लू से 42 लोगों की मौत की सूचना मिली थी। जांच में लू से 6 लोगों की मौत की पुष्टि हुई थी।

मौसम विभाग के मुताबिक ओडिशा के सोनपुर में 2 जून को अधिकतम तापमान 42.3 डिग्री दर्ज किया गया। टिटलागढ़ में 42.5 और बौध में 42.1 डिग्री अधितम तापमान रहा। मौसम विभाग का कहना है कि आने वाले तीन दिन देशभर में लू की तीव्रता में कमी आने की आशंका है। जबकि दक्षिण और पूर्वोत्तर राज्यों में मानसून ने दस्तक दे दी है, जिससे लोगों को गर्मी से राहत मिली है। भारत मौसम विज्ञान विभाग का कहना है कि अगले तीन दिन बिहार, झारखंड, ओडिशा और पश्चिम बंगाल में लू की जारी रहने की संभावना है. इसके अलावा जम्मू और कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, गुजरात, राजस्थान, महाराष्ट्र और गोवा, मध्य भारत में मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ में भी गर्मी से थोड़ी राहत मिलने की संभावनाएं हैं।

जम्मू-कश्मीर में वोटों की गिनती के लिए नौ केंद्र.....सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम

जम्मू ।

लोकसभा चुनाव के नतीजे मंगलवार को आने है। जम्मू-कश्मीर में पांच लोकसभा क्षेत्रों में वोटों की गिनती के लिए नौ केंद्र बने हैं। इसके अलावा, श्रीनगर, बारामूला और अनंतनाग-राजौरी लोकसभा सीटों पर विशेष रूप से स्थापित मतदान केंद्रों पर विस्थापित समुदाय द्वारा डाले गए कश्मीरी प्रवासी वोटों की गिनती के लिए दिल्ली में एक मतगणना केंद्र भी बनाया गया है। मंगलवार को होने वाली वोटों की गिनती, जिसमें जम्मू-कश्मीर की उधमपुर और जम्मू संसदीय सीटें भी शामिल हैं। इससे 100 उम्मीदवारों के भाग्य का फैसला होगा, जिनमें वरिष्ठ भाजपा नेता और केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह, दो पूर्व मुख्यमंत्री नेशनल कॉन्फ्रेंस (एनसी) के उमर अब्दुल्ला और पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की महबूबा मुफ्ती शामिल हैं। अन्य दिग्गजों में पूर्व मंत्री रमन भल्ला और कांग्रेस के चौधरी लाल सिंह, डीपीएपी के जीएम सरूरी, एनसी के आगा रुहुल्ला मेहदी और मियां अल्ताफ, अपनी पार्टी के अशरफ मीर, पीपुल्स कॉन्फ्रेंस के सज्जाद लोन शामिल हैं। पूर्व विधायक इंजीनियर रशीद तिहाड़ जेल से चुनाव लड़ रहे हैं। अधिकारियों ने कहा कि सभी 10 मतगणना केंद्रों पर सुरक्षा और कर्मचारियों की तैनाती सहित सभी व्यवस्थाएं की गई हैं। उधमपुर निर्वाचन क्षेत्र में वोटों की गिनती, कठुआ के सरकारी डिग्री कॉलेज में होगी। केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह के अलावा, 11 अन्य उम्मीदवार भी मैदान में हैं, जिसमें से दो बार के पूर्व सांसद लाल सिंह और जीएम सरूरी शामिल हैं। सात उम्मीदवार निर्दलीय हैं। बारामूला निर्वाचन क्षेत्र की वोटों की गिनती गवर्नमेंट डिग्री कॉलेज (पुरुष), बारामूला में होगी। उमर अब्दुल्ला इस निर्वाचन क्षेत्र में 21 उम्मीदवारों के खिलाफ खड़े हैं, जिसमें लोन और राशिद प्रमुख हैं। इस सीट पर चुनाव लड़ रहे 14 निर्दलीय उम्मीदवारों में से दो महिलाएं हैं। अधिकारियों ने कहा कि वोटों की गिनती गवर्नमेंट डिग्री कॉलेज (पुरष) अनंतनाग और गवर्नमेंट पीजी कॉलेज राजौरी में होगी। महबूबा मुफ्ती इस निर्वाचन क्षेत्र से जीत की कोशिश कर रही हैं और उन्हें एनसी के मियां अल्ताफ से बड़ी चुनौती का सामना करना पड़ रहा है।

सूखे से परेशान बेंगलुरु पर मेहरबान इंद्र देव.....एक दिन में हो गई पूरे जून की बारिश

बीते 133 सालों का रिकॉर्ड टूट गया

बेंगलुरु । (एजेंसी)

गर्मी के मौसम में भीषण सूखा झेलने वाले आईटी कैपिटल बेंगलुरू पर इंद्र देव मेहरबान हो गए हैं। बीती रात शहर में इतनी बारिश हुई कि पूरा इलाका लबालब हो गया। तेज हवाओं के साथ हुई इस बारिश ने बीते 133 सालों का रिकॉर्ड तोड़ दिया। रविवार देर रात तक पूरे महानगर में तेज बारिश होती रही। मौसम विभाग के मुताबिक बीते 133 सालों में दो जून, जून महीने का सबसे अधिक बारिश वाला दिन रहा। रविवार आधी रात तक इस शहर में 111एमएम बारिश हो चुकी थी। मौसम विभाग के मुताबिक इसके पहले 16 जून 1891 को 101.6 एमएम बारिश हुई थी। आप इस बारिश से अनुमान लगा सकते हैं कि पूरे जून महीने में बेंगलुरू में जितनी बारिश होती है, उतनी बारिश एक दिन में हो गई। आपदा सेंटर के मुताबिक बेंगलुरू के कोने-कोने में यह बारिश हुई है। हंपी नगर में सबसे अधिक 110.50 एमएम बारिश हुई। सोमवार को भी शहर में भारी बारिश का अनुमान है। इस दौरान 30 से 40 किमी की रफ्तार से हवाएं चलेंगी और तेज बारिश होगी। इस कारण मौसम विभाग ने लोगों से घरों से बाहर न निकलने की गुजारिश की है। पूरे दिन और रात में हुई बारिश से बेगलुरू की ट्रॉफिक व्यवस्था बुरी तरह चरमरा गई है। 100 से अधिक पेड़ गिर गए हैं। कई इलाकों में पूरी रात बिजली नहीं थी। कई मुख्य मार्गों पर पानी भर गया है।

एग्जिट पोल में दिख रही उद्धव की दमदार वापसी.....शिंदे और भाजपा की मंशा अधूरी

अपने दम पर 9 से 11 सीटें मिलने का अनुमान

नई दिल्ली । (एजेंसी)

महाराष्ट्र के पूर्व सीएम उद्धव ठाकरे ने आम चुनाव में अपनी ताकत दिखा दी है। एग्जिट पोल से साफ होता हैं कि उद्धव ठाकरे को खत्म करने की एकनाथ शिंदे और बीजेपी दोनों की मंशा पूरी नहीं हो सकी है। एग्जिट पोल रिजल्ट में उद्धव गुट को 9 से 11 सीटें मिलने का अनुमान लगाया गया है। शिंदे की बगावत से मुख्यमंत्री की कुर्सी और शिवसेना से हाथ धो बैठे ठाकरे लिए महाराष्ट्र के मौजूदा राजनीतिक हालात में ये वापसी बहुत मायने रखती है। अपने हिस्से की शिवसेना के बूते उद्धव ठाकरे ने लोकसभा चुनाव 2024 में जैसे उम्दा प्रदर्शन किया है, जिससे साबित हो रहा हैं कि महाराष्ट्र की राजनीति में मातोश्री की हनक, और ठाकरे परिवार की हैसियत यूं ही नहीं मिटाई जा सकती। एग्जिट पोल के नतीजे उद्धव ठाकरे के साथ शिवसेना में बने हुए नेताओं के लिए भी संदेश है। कुछ ही महीने बाद महाराष्ट्र में विधानसभा के भी चुनाव होने वाले हैं, और अगर उद्धव ठाकरे इस जोश के साथ महाराष्ट्र की सड़कों पर उतर आए, तब नतीजे चौंकाने वाले भी हो सकते हैं। अगर वास्तव में उद्धव ठाकरे अपने राजनीतिक दुश्मनों से चुन चुन कर बदला लेना चाहते हैं, तब विधानसभा चुनाव और बीएमसी चुनाव बेहतरीन मौके हैं। महाराष्ट्र के लोग असली शिवसेना किसे मानते हैं, एग्जिट पोल में संकेत दे दिया है।

परिणाम से पहले हिमाचल में हलचल..... तीनों निर्दलीय विधायकों के इस्तीफे स्वीकार

शिमला । (एजेंसी)

हिमाचल प्रदेश विधानसभा के स्पीकर कुलदीप सिंह पठानिया ने तीनों निर्दलीय विधायकों के इस्तीफे स्वीकार किए हैं। अब तीनों निर्दलीय विधायक कृष्ण लाल ठाकुर, होशियार सिंह और आशीष शर्मा विधानसभा के सदस्य नहीं रहे। ठाकुर- नालागढ़, होशियार सिंह- देहरा और आशीष शर्मा- हमीरपुर विधानसभा क्षेत्र से विधायक थे। निर्दलीय विधायकों ने 22 मार्च को अपने सदस्यता से इस्तीफा देकर 23 मार्च को बीजेपी की सदस्यता ग्रहण कर ली थी। इसके बाद छह महीने में हिमाचल प्रदेश के तीन अन्य विधानसभा क्षेत्र में भी उपचुनाव होगा।

विधानसभा अध्यक्ष पठानिया ने कहा कि 22 मार्च को तीन निर्दलीय विधायकों ने इस्तीफा देकर बीजेपी में शामिल हो गए थे। उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव की वजह से फैसले सुनने में कुछ वक्त लगा। पठानिया ने कहा कि सत्तापक्ष के सदस्य जगत सिंह नेगी की ओर से दल बदल कानून के तहत तीन निर्दलीय विधायकों की सदस्यता रद्द करने को लेकर भी एक याचिका आधार की गई है। तीनों निर्दलीय विधायकों ने अपना इस्तीफा स्वीकार होने पर खुशी जाहिर की है। नालागढ़ के विधायक रहे ठाकुर ने कहा कि यह देर आए, दुरुस्त आए जैसा है। उन्होंने कहा कि वह चाहते थे कि सभी निर्दलीय विधायकों के इस्तीफे पहले ही स्वीकार हो जाते, ताकि लोकसभा चुनाव के साथ ही यह उपचुनाव भी होते। ठाकुर ने कहा कि अब उन्हें अगर विधानसभा उपचुनाव में बीजेपी की ओर से टिकट मिलता है, तब मैं उप चुनाव लड़ूंगा। बता दें कि तीनों निर्दलीय विधायकों ने इस्तीफा स्वीकार न होने के मामले में हिमाचल प्रदेश हाईकोर्ट में भी याचिका दायर की हुई है। संभव है कि तीनों निर्दलीय विधायक अब जल्द ही यह याचिका हिमाचल प्रदेश हाईकोर्ट से वापस ले लें।

अमेठी में जीती.....तब इतिहास बनाएगी केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी

अमेठी । (एजेंसी)

उत्तर प्रदेश की अमेठी लोकसभा सीट पर केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी और किशोरी लाल शर्मा के बीच चुनावी मुकाबला दिख रहा है। इस सीट का चुनाव परिणाम मंगलवार को आने वाला है। अमेठी में पांचवें चरण के तहत 20 मई को वोट डाले गए थे। अमेठी सीट पर इस बार 13 उम्मीदवार चुनावी मैदान में थे। इसमें मुख्य मुकाबला भारतीय जनता पार्टी और कांग्रेस के बीच होती दिख रही है। भाजपा के दावों पर गौर करें तब अमेठी लोकसभा सीट पर पिछले पांच दशकों में कोई भी गैर कांग्रेसी उम्मीदवार लगातार दो बार जीत दर्ज नहीं कर पाया है। अमेठी में चुनावी मुकाबले में अगर ईरानी इस बार भी चुनाव जीतती हैं, तब वह लगातार दो जीत का अनोखा रिकॉर्ड बना देंगी।

अमेठी लोकसभा सीट पर महज तीन चुनावों में ही दूसरे दलों को सफलता मिली है। 1967 से यहां पर कांग्रेस का दबदबा दिखा है। इमरजेंसी के बाद 1977 में हुए लोकसभा चुनाव में जनता पार्टी की लहर का असर सीट पर भी दिखा। जनता पार्टी के रवींद्र प्रताप सिंह ने जीत दर्ज की। पहली बार 1998 के लोकसभा चुनाव में भाजपा ने इस सीट पर खाता खोला। संजय सिंह ने इस सीट पर सफलता हासिल की। 21 साल बाद 2019 में स्मृति ईरानी ने दुबारा इस सीट को जीतने में कामयाबी हासिल की। केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने आम चुनाव 2019 में 55,120 वोटों के अंतर से जीत दर्ज की थी। इस चुनाव में भाजपा की स्मृति ईरानी को 4,68,514 वोट मिले थे। वहीं, राहुल गांधी 4,13,394 वोट

हासिल कर पाए थे। इसके पहले 2014 के आम चुनाव में कांग्रेस के राहुल गांधी ने 1,07,903 वोटों से जीत दर्ज की थी। पिछले दो चुनावों के परिणाम से साफ है कि यहां मुकाबला दो तरफा होता रहा है। तीसरी पार्टी के मैदान में आने का भी कोई असर नहीं होता। इसबार केएल शर्मा क्षेत्र में अपनी दमदार उपस्थिति के जरिए ईरानी की राह में रोड़ा बनने का प्रयास कर रहे हैं। हालांकि, रिजल्ट अगर भाजपा के पक्ष में आया, तब इतिहास बनना तय है।

पुणे पोर्श कांड : रईसजादा बोला-उस रात नशे में धुत था कुछ याद नही

-पुलिस ने बनाई एक दर्जन से ज्यादा टीमें, हर पहलू की करेंगी जांच

पुणे। (एजेंसी)

महाराष्ट्र के पुणे पोर्श कांड को लेकर हर दिन नए नए खुलासे हो रहे हैं। अब इस कांड के मुख्य आरोपी बिल्डर के बेटे से पुलिस ने घटना के बारे में जानने का प्रयास किया है। सूत्रों का कहना है कि आरोपी रईसजादे ने उस रात दो इंजीनियरों को अपनी कार से उड़ा दिया था लेकिन, उसे कुछ याद ही नहीं है। आरोपी ने पूछताछ में बताया कि वह उस रात नशे में धुत था, उसे कुछ नहीं पता। वहीं, इस हाई प्रोफाइल मामले में हर पहलू की जांच करने पुलिस ने एक दर्जन से ज्यादा टीमें गठित की है, जिसमें 100 पुलिसकर्मी शामिल हैं। बता दें पुणे के कल्याणी नगर इलाके में 19 मई को मशहूर बिल्डर के नाबालिग लड़के ने बाइक पर जा रहे दो आईटी इंजीनियरों को अपनी लग्जरी कार से टक्कर मार दी थी। इस हादसे में दोनों की मौत हो गई थी। पुलिस ने इस हादसे के लिए तीन अलग-अलग मामले दर्ज किए हैं। सूत्रों के मुताबिक 17 साल के आरोपी ने घटना को लेकर पहली बार मुंह खोला है। उसने पुलिस को बताया कि वह उस रात नशे में धुत था, इसलिए उसे याद नहीं कि उस रात क्या-क्या हुआ? किशोर न्याय बोर्ड ने पुलिस के अनुरोध पर उस पर एक वयस्क के रूप में मुकदमा चलाने का फैसला किया है। अपनी कार से दो लोगों को रौंदने से पहले वह कैमरे में शराब पीते हुए कैद हुआ था।

उसने एक पब में शराब पीने में 48,000 रुपए खर्च किए थे। महिला एवं बाल विकास विभाग के आयुक्त डॉ. प्रशांत नारनवरे ने कहा कि इस घटना के बाद, हमने नए दिशा-निर्देश जारी किए हैं। उन्होंने पांच जिलों का दौरा किया है, जिनमें नासिक, अहमदनगर, नांदेड़, सोलापुर और अकोला शामिल हैं।

संक्षिप्त समाचार

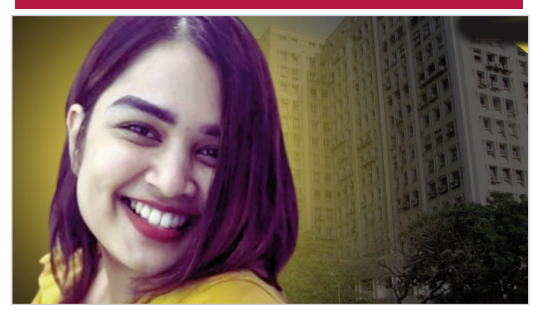

आईएएस दंपति की 27 वर्षीय बेटी ने इमारत से कूदकर खुदकुशी की

मुंबई । दक्षिण मुंबई में मंत्रालय के निकट सोमवार सुबह महाराष्ट्र कैडर के आईएएस अधिकारी दंपति की 27 वर्षीय बेटी ने कथित तौर पर एक इमारत की 10वीं मंजिल से कूदकर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने कहा कि कानून की पढ़ाई कर रही लिपि तड़के करीब चार बजे राज्य सचिवालय के निकट इमारत से कूद गई। अधिकारियों ने बताया कि लिपि को तुरंत अस्पताल ले जाया गया जहां डॉक्टरे ने लिपि को मृत घोषित कर दिया गया। वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि वह सोनीपत से एलएलबी की पढ़ाई कर रही थी और पढ़ाई में अपने प्रदर्शन से खुश नहीं थी। अधिकारी ने कहा कि घटनास्थल से सुसाइट नोट मिला है, जिसमें कथित तौर पर लिखा है कि उसकी मौत के लिए किसी को दोष न दिया जाए। अधिकारियों ने बताया कि थाने में अप्राकृतिक मौत का मामला दर्ज किया गया है। लिपि के पिता विकास रस्तोगी महाराष्ट्र उच्च एवं तकनीकी शिक्षा विभाग में प्रधान सचिव हैं, जबकि मां राधिका रस्तोगी भी वरिष्ठ आईएएस अधिकारी हैं और राज्य में सेवारत हैं। इससे पहले, 2017 में महाराष्ट्र कैडर के भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) अधिकारियों मिलिंद और मनीषा म्हैसकर के 18 वर्षीय बेटे ने मुंबई में एक ऊंची इमारत से कूदकर आत्महत्या कर ली थी।

ओडिशा में आकाशीय बिजली की चपेट में आने से चार लोगों की मौत

ब्रह्मपुर । ओडिशा के गंजाम जिले में आकाशीय बिजली की चपेट में आने से चार लोगों की मौत हुई है। पुलिस अधिकारी ने कहा कि मृतकों की पहचान गंजाम जिले के संयाशी साहू, लंबोदर पाणिग्रही, संजय गौड़ा और खुर्द जिले के दुगुन प्रधान के रूप में हुई है। पट्टापुर में खिलौने बेच रहे साहू और प्रधान बारिश आने पर पास के एक पेड़ के नीचे चले गए, जहां वह बिजली की चपेट में आ गए। पुलिस ने बताया कि सूचना मिलने पर वहां पहुंचे तब वे बेहोश मिले, जिसके बाद हम उन्हें एक अस्पताल ले गए, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। वहीं एक अन्य घटना में पाणिग्रही बिजली की चपेट में आ गया। उसे अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। एक गांव के पास बिजली गिरने से संजय गौड़ा की मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि जब संजय को अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने संजय को मृत घोषित कर दिया।

ब्रह्मोस के पूर्व इंजीनियर को उम्रकैद, पाकिस्तान के लिए करता था जासूसी

नागपुर । नागपुर की अदालत ने पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई के लिए जासूसी करने के आरोप में ब्रह्मोस एयरोस्पेस के पूर्व इंजीनियर निशांत अग्रवाल को उम्रकैद की सजा सुनाई है। आरोपी अग्रवाल को 14 साल की कठोर कारावास की सजा, और 3 हजार रुपये का जुर्माना लगाया गया है। अडिशनल सेशंस कोर्ट जज एमवी देशपांडे ने मामले में आदेश देकर कहा कि अग्रवाल को क्रिमिनल प्रोसीजर कोड के सेक्शन 235 के तहत सजा दी गई है, उसका अपराध सेक्शन आईटी एक्ट के सेक्शन 66 (एफ) और ऑफिशल सीक्रेट्स एक्ट (ओएसए) के तहत सजा योग्य है। सरकारी वकील ने कहा कि कोर्ट ने अग्रवाल को उम कैंद के साथ साथ 14 साल का कठोर कारावास की सजा ऑफिशल सीक्रेट एक्ट के तहत दी है और उस पर 3 हजार रुपये का फाइन लगाया है। नागपुर में कंपनी के मिसाइल केंद्र के तकनीकी अनुसंधान अनुभाग में कार्यरत अग्रवाल को 2018 में उत्तरप्रदेश और महाराष्ट्र के सैन्य खुफिया और आतंकवाद विरोधी दस्तों (एटीएस) द्वारा एक संयुक्त अभियान में गिरफ्तार किया गया था।

परिणाम से पहले अखिलेश का आरोप....विकास के झूठे आंकड़े दिखाकर जनता को ठगा

लखनऊ । समाजवादी पार्टी प्रमुख और यूपी के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने केंद्र की भाजपा सरकार की नीतियों पर निशाना साधा है। उन्होंने बीजेपी पर देश की जनता पर महंगाई थोपने और युवाओं को बेरोजगार बनाने का आरोप लगाया। अखिलेश ने कहा कि भाजपा ने लोगों के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ किया और बिना जांच के उन्हें जानलेवा वैक्सीन लगवा दिए। उन्होंने भाजपा पर राजनीतिक फायदे के लिए परिवारों को आपस में लड़ाने और भाई को भाई के सामने खड़ा करने का आरोप लगाया। उन्होंने भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार पर देश में सामाजिक सौहार्द बिगाड़ने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, बीजेपी के शासनकाल में महिलाओं, पिछड़ों और दलितों समेत आदिवासियों के खिलाफ अपराध बढ़े। नोटबंदी से छोटे कारोबारी बर्बाद हो गए। अखि लेश ने आरोप लगाया कि बीजेपी ने अपनी पार्टी में अपराधियों को शामिल किया। सपा प्रमुख ने आरोप लगाया कि बीजेपी ने विकास के झूठे आंकड़े दिखाकर जनता को ठगा है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

भ्रष्टाचार प्रतियोगिता में

&

भ्रष्टाचार की जानकारी देने

National Rights Group Youtube Channel

krantisamay@gmail.com

9879141480

fight against corruption india

भारत में भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई